

DPN 6797

मधुमालतीको कथा MADHUMĀLATĪKO KATHĀ

Title :

Run. No. 7522

Cat. No. S

Micro. No.

Subject कथा story

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 28 x 17.5

Folios 35

Lines (in a page) 20

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

→ लक्ष्मी प्रसाद Laxmi Prasad.
Scribe / donor बाबानानी बैद्य

Author / translator

Date: NS / SS / VS / KS 1962 ✓

Ruler / place Baba Nani Baidya.

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / nepali ✓

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / ✓

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. राग विरहिनी ॥ राजमती कुमति जीके वसा पोरती. ००० ।

P. T. O.

ॐ नमः श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ अथ मधुमालतीको कथादा लिखेते ॥ ॥

येक दिसमा येक वदो राजा रह्यादंन्. तेस् राजाका ७ रानीबात
जन्म भयाका सातैवती छोरी रह्या छन् ॥

जिल्दामा - सम्बत् १९६२ साल माघ २६ गतेमा दर्ता भयाको हो ॥
यो किताप भादगाउँ टिक्कछे योन् धातेमाछ वस्ने वैद राज
कालीप्रसादको हो ।

जिल्दामा (पछाडि) - ये पोस्तक् लेखक भन्नापूर देसे टिक्कछे
तोत्त धाते माछे वाशीते श्री ३ द्विजोत्तम श्री दयानाथ राजो
ईपाये तत् पुत्रो श्री लक्ष्मी प्रद (प्रसाद) ले लेखीतम्. सी द्वती
शुभम् ।

श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः

संवत् १८६२ साल भाद्र २६ गते मास
श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः

सुखं भवतु कष्टानां प्रारोगे धनसः वर्धनी ॥ मम सः सु-
विनाशाय दिगज्योतीतमोस्तुते ॥ श्रीराम ॥ ॥

मि. इ. किताबदो. म. य.

[illegible]

may nept hof

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ गीतम् ॥
 कोव थाहा लिखते ॥ ॥ येको देसमा येवु क्को ए
 गारहा छु ते ए राजाका, रानी वात जन्म भवाका सोते
 वती छोर र हा छु ते ए राजाका दीन्का दीन्सी कार
 खेलने ई लभ गरी रहेछु येक दीन् ते ए राजा सिका
 खेलन जाई भनी मंत्री सब भर भार दा स्मेत सा
 थ माली लावा लास्क सवै वतौ लो राजा सीका
 र खेती जांदा जांदा येक अघार वन्या पुग्या छुन
 ए त्यो वन्या वस्याकी येवु ई कीनी राक्षे ल निहो
 त्या राजा लाई दे छी कन क स्रातरु लो राजा ला
 ई भेटु भनी हिदि र हा छुन कोनै गुत्त लो पनी
 राजा संग भेटु नहुंदा ते ए राजा लाई भेटु गनी
 लाई ते ए राक्षे सनी लो येक दीन् सुनका भग
 भे ए राजाका फुल वारी भाव छे गवार ए राजा फुल
 वारी भाजांदा देव्या ई नृ ए राजा भेटु हे मनी
 प्रजा लोक होयो सुनको भग आ सखी सग देखे
 यो यो भग लाई समझु पछ भनी हुनी जाहु
 लाई करणी ते भग लाई घे रा दिया ए राजा आ
 गया छुन यो भग जस्को फोगवार ई भकी जाला त
 स्को जीई धनुस कीर हुनेछ भनी हुक म हुंदा ते भग

गहे मन्मावीचा गमा मलाई भने निश्चये
 समई सुसकने दैत अवसे दुनी जाका फौजवा
 तई म्की जाई भने दुनी जाको पापमात्र हीने मो
 सने का फौजवाट उमकी जा भने दुनी का ॥
 राजे का फौजवाट उमकी गइत र राजा मंवी दुनी या
 गे ह त्या म्ग का पक्ष पक्ष लागी लगई जांदा जाडा
 साइ परं दूर र ते सबेला मा भोके जान सकन न
 बाई आउं दुं भनी राजा सैंग दुनी या सबेले वीतीग
 दो राजा मं दैत त्या म्ग ती मी ह रुका फौजवाट
 उ म्की गया को भया ती मी ह रुका जीउ धैर सका
 र ह त्या धो सो अवती मी दुनी या हरु सवै फकी धर
 आई भनी राजाले सवाल स्कर दुनी या हरु सबेला
 ई वीदा दीयार दुनी या हरु सबेले राजा सैंग वी
 वीदा मागी आ फा २ धर फकी गया ता रा पक्ष राजा
 र मं वी २ जुना मात्री सो कार बेला जांदा २ साहे
 अवेला भये दूर का हा वास वसो भनी राजाले आग्या
 गर्दा मं वी वीती गइत हे माहा राजा यो थलो रु
 यमा च होई जांदा आगाको जोती देवी ह तासै
 वास वसोला भनी मं वी रुयमा च होई येक था
 उमा आगाको ज्वाला देवी योर त्या पाई मा रा
 जामं वी जांदा जादा शर मार मा पुष्पार हेरी ता
 आगो म न्या तां तै ही दे की नी वग्ये कोरहे ह ते स

दं की नी पवन फेदी आगाको ज्वाला देवी दोरहे ह
 पवन वाधडर आगो मदी रहे ह ते स्नावी चमा रा
 जार मं वी ले भनी च हेवन वासी होखे सर रात का
 वी चमा हा मी वी चमा पयो हामी का हां जाई का हां
 वसो भनी आगाको ज्वाला देरी देरी कन ती म्ग रा
 र न मा आई पुष्पो ते स्ना वी चमा ती मी ले आगो मा
 शी दीयो ते सानगर हामी लाई वस्ती वाली वास प
 नी थान पनी देई ती मी आई वरुन धर्म होला भनी
 भेडा ते स दे की नी ले भनी च हे अक्ष मी पापी छे ह रा
 मी ले मर्द को मुय हे ने दै न भनी वर्तलो पाको थो
 ली शिवे बाह वर्य पुजे शो पो येक दीनले ती मी ह
 रु आरा आई ह म्गो वर्त भेगरी दीयो अव रा म्गो
 वर्जनी भेग गरी दीया पक्षा ती मी ले मेरो मर सु
 वा पुन्याई डी द्यो न न्या ती मी लाई वास पनी शिंदु था
 नुषनी दिंदु शेइत न न्य वास पनी दी दै न वा नु पनी
 शी दै न भनी कंडो फकी ई नर त्या देव दा राजा भेद १
 हेवन वासी हो ती मी ले भने वमोजी म्ग शिला के भ
 द भडा ती मी ले मलाई वी वाह गशि ले जांनु पक्ष भ
 उलौ भनी वा चा वा धी सके पक्ष वती वाली दीयार
 आनु पी उनु दीयार राजार मं वी ४१५ दी न मुका म्ग
 राई वी वाह को सराजाम् नयार गरी राजा को र ते स
 दे की नी राक्षे म्नी को वी वाह गत्यार २१४ दिन भमा
 पक्षी अव रा म्गो धर जाई भनी राती लाई राजाले भेडा

30
25
20
15
10
5
0

॥४॥ ॥४॥ ॥४॥ ॥४॥ ॥४॥

रानी भेद र हेमा रा राज नेले वीनी गन्या को मा रुज
र ले मानी वक्तु नु हं ह भेन्या म मी ह मा न्दे न भेन मः
आउनु सकु देन भनी वीनी गदा राजा ले मानी ला भ
नी वा चा गरई त्यो द की नी रानी ले भेदी न हे मा हा
राज रुज र का ७ रानी ७ दोरा हं समेत देस् बाही
र धपाई दी वक्तु पछ भेडा लौ भनी राजा ले रानी
समेत ली राजा म ची दुवै ऊ कर सहीत भै फकी
आमार आफना दरवार पुण्या पछा नी ७ रानी ७
दोरा हं लाई देस् बाही र धपाई आउ भनी रा
जा ले म ची लाई अ भा उदा म ची ले ह वस् भनी
राजा का डुई मा फा फ ७ रानी ७ सोहे व जू ह
लाई देस् बाही र धपाई आमार त्यो द की नी
द्वार मा आन न स ग व स्मा ये क दी र राजा सी
कार ये ल न गया का थो या ते स्ता वी व मा ७
सोहे व जू ह आफना पछा नी शे मागे भकु
डो ये ल न गया हं र ध्या ल वा हं हं ते स्त द की नी
रानी ले दे धी न र धपाउन पछा या का सोहे व जू ह
भनी धा हा न पाई आफना म र मा भनी न ये स्ता व
डा संग व स्त होइ न भनी म मा थानी क पा ल मा ते ल
हानी अ नो कां गू ली पनी गीरी का दे उ मा व सी
सोर सी गा र गर्म ला गी न त्यो सोहे व जू ह ले ये ली
र हा को भकु दो उदे र नी क न त्यो द की नी रानी का
का म मा प र्म ग ये द न र जे डा चा शी सोहे व जू ले आ
मै त्यो भकु दो देउ भनी मा ग न ज या र त्यो द की नी

॥४॥ ॥४॥ ॥४॥ ॥४॥ ॥४॥

व्या भनी नु भने म लाई वी वा ह गे न भया दी हु न व द्दि न
भनी भेडा धन पापी नी भनी साते भाइ ले भकु दो दे शी
गया पछा द की नी रानी ले क्या थानी न भने अव इनी
दोरा हं र त्या हं र ई नी हं लाई मार्न लाउन पय्या
तीनी हं लाई मार्न लाये न भने अव स्म यो क रा क ह
न न र मेरो फ चीत हो मा भनी म न मा थानी द वी र
मा ७ ध्या रा गरी को व मा स वै श र मा त मा व थु प्या
ई ये क दुई के दो हं का हात पा थु रा भा ची कु ना का
नी मा व सी र ह न साज का वी च मा राजा सी कार वा ह
फकी आफना दरवार मा आई दरवार स वै था उ मा
अ थ्या रे भया को दे वी आ स न्ने मानी सा धन ला
जा हे रानी आ हा के भयो क सो भयो जता ते ते ह र
पा ह मा ची थु प्र को व नी प नी न वाले को व नी वाली
देउ हे रानी भनी यो ज न ला जा र कु ना मा व सी र ह न
द की नी रानी ले भेदी न हे मा हा राज रुज र का दो
रा हं ले दरवार मा च आई स वै था उ मा शर पा त
ले थु प्राई म लाई प नी हा त हा ली स धी ह रु को हा त पा
थु रा भा ची गया र श मी ह रु स वै थ ली र हे का दो म
त्याई कु ट पी ट गरी मेरो पो सा क स वै फारी प नी दी यो
रुज र का जू ह डै मा मेरो ये स्ता हं ल हं नु प र्म होइ न
भनी दु य को व न्ना न वी र ता र स वै वी नी ग न्या मे रो
वा ता गरे को म न वी व क्तु भया व नी प नी वा ली यो ने
स रा ज मा प नी त या र ग डु भनी रानी ले भेडा राजा ले म

30
25
20
15
10
5
0

॥१॥ ॥३॥
जुंला भनीवा बागरी लोदी कीनी रानीले भनीकः ह
जुरको ७ रानी ७ दोरा हस्त लाई मारन पठाई तीनी ह
रुका कलेजो मुतो ल्याई मलाई खातु दी उपर भनीर
राजाले तर पर गरी मंत्री लाई दाकी अहाइर हे मंत्री
हाम्रा ७ रानी ७ दोरा हस्त लाई मारन लग्गाई तीनी ह
रुका मुतो कलेजो ल्याई रानी लाई सो पी दी नु
भनी दुकं मग्न्या मंत्री ले राजा का दुकं माफा क
७ रानी ७ साहेब जूरु ल्याई बन्ना लगी मारन तयार
जुंदा ती ७ साहेब जूरु ले मंत्री सैग धीनी गरी न
हे मंत्री हाम्रा जीये का उ चारु ने उ पाये भयादे खी
उपर दयायी वक्तनु पछ भनी बीनी गडी मंत्री भी
दर हे साहेब जूरु उपकार ता हस्त तर उ पकारे गुपछ
भन्ना हजर हस्त से येस्त मुलुक दोरी वीराना मुलु
क मागे वसे देवी उपकार हस्त आरा वरणा भनेश
जाले मलाई बाकी राखे नैन तसर्थ हजर हस्त अर्क
मुलुक मागे राजमर्ग हस्त आरा मले जुकी गरी
राजालाई उराई राखोला तर हजर हस्त के हिवे हो
गले वीराना मुलुक वाट आफता मुलुक माफ के
नुपाये भने मउपादयारा वक्तनु भंडा लो भनी ७ रानी
७ साहेब जूरु लो हामी दु पट क रुता दया राखी हा
म्रा मंत्री ले व बाट दोयो भनी आपु आफु सुसी भे
मंत्री सैग बीडा वाजी भे वीराना मुलुक मा गये ताहा
पछी मंत्री ले के बाल गेरुन भने १४ भोता भेडाल्या
ई कतीकन अह मास तही दवाई १४ गाता भ्याडा को
कलेजो मुतो ल्याई रानी लाई दापील गरी दी या तस

॥१॥ ॥१॥
दीकी नीरानीले कलेजो मुतो मुनी थोये दं र अ
व सवु मन्ना भनी सुसी भे मोज मजा सोक आनी
द संग रसा ताहा पछी मार रा लाग्या का ७ रानी ७
साहेब जूरु लो जांडा जाडा वीराना मुलुक मा पुग्या
दं र ते स्वेस्का सर मा बो मा राज न वनी या
येक थोये ते स्वेस्का का धार मगाया गरी ती गयी
हमदा राज न र नी थोये हामी हल्लाई खा पहर ला
ई वासे दे भंडा वनी या भंदर हे पा दे स्ति हो तिमी
हल्लाई का हा वात आयो का हा जा हो तिमि हद
का पराक्रम कया हल्लाई हो भनी वनी या
ले स्वध्या ७ भाई ले भनी हामी पछी मवार आयो
पुर्व दी साजा दु भनी आया का हो हामी हद मुसा फा
सी पाही हामी हद का आमा भाई हद हो पराक्रम
भने जया का भयापनी हामी हद ले त तैगन स क ह
द चाकी बेल आया का हो भनी भंडा वनी या भंदर
तिमि हद का मेका सा लो क ही तर फ चाही ह भनी
सा ध्या हाम्रो मेका सा लो का जन हिये क ये क हज्जा
र हपै जा चाही ह भनी साहेब जूरु लो भंडा वनी या
ले मदी दु भनी तीनी भाई लाई वन्दे वस्तु गरी रानी सी
या सी ठा सरा जाम ल्याई तया गरी डी या ई स्का भोली
पले जमा जमा मा हपै जा ई थाई नु भनी साते भाई ला
ई साते तर्फ यताई पथाया ई नी हद जगा जगा मागे

0 CMS 5 10 15 20 25 30 35 40 45

12.15.11

असामीलाईसातेभाईलेयकैदीनमालाखोकार
कोलहनाईथाईफाछाईफुर्दीगित्याइदेथीयाय
सैप्रकाखंगमैहाडीनहुंदामाहाजनकोलहनाज
तिहसवैउथाईसक्यामाहाजनयहुतछेलीमैभनीन
धनेरस्यावासीतीभीहुं१जनावहुतविरपराक्रमी
रह्याहोभनीतिमिहदुकोदामाहाचुकीगहिदीया
रमाहाजनलेभनीनअवमोलेलहनासवैदुतिमैस
क्यातिमिहदुअवआफोरेजगाक्याधगाभनी
विदादीयातोहापदीउनीहुलेजनही२२कुकु
लीसातभाईयेकैदफागरीसीकाखेलनगयादीन
को१२६मगभगित्याईदीनको२०१२पंगोतामगमाहा
जनलाईदीईवाकीरेहकाभाप्रहदुलेखानेयेस्तेप्र
कारसीग१२मैहोतेहिरह्यामाहाजनलेभनीतिमि
हदुलाईवकहदुमहापनीवरावदिदेरहीध्याफरी
पदीसातभाईकोसल्लाहगिजनहि२२कुकुली
१भाईसातेतफेलीकाखेलनजानलागदाभयीनभा
ईहोजोअधीसीकावांटफर्किआउदुनयेहिसा
जवातोमापयनु९१भाई१४कुकायेकैदफाअभा
मैधजानुपदभनीवन्दोवराभीलाईयेस्तेरितसी
ग१२मैहासीकाखेलीवहिरह्यायकदीनका
दभाईमधुकुमारजाममातीसुनकोमगसात
गातानिस्काएगालेकुलिदीयारकुकुलेलका

गादीरसाभूषणी पयोः सातैगोताभूषः सातस
मुद्रपारतयारः लोहरी राजाले भगतया काथाईमा
कीलोठाकी फर्कि आया मधुकुमार राजादोवाता
मापुग्गा दाज्यरुहलईद सीरान दाज्यरुहल भग्ना
भाईघा गयो होला भनी धानी दजना दाज्यरुहल
गयो भाईओयद की भनी सोध्या आया कोदैन भनी
आमा रुहले भंडा, महला छिप द जना दाज्यरुहल दावि
लापगी रुहल ग्या रत वतहा कोदैन की रुहल स्वदे आ
ई उरुई द पनी वुके ननू फेरी पदी तेहि माहाजन आ
ई भनी नरे भाई हे भिभि रुहले की न विलापगी कंदो
क्या अभदा पयो भनी सोध्या तिनी रुहले भनी न हमा
हाजन रहे हाया कोदा भाई राजा मधुकुमार आयना
रोया कोदा भंडा तिघा कोदा भाई संग अफकाहि सा
थी द न की दैन भनी सोध्या कुरुर भाज साथी द
न अफकाहि दैन भंडा उसा भयां द सी तिघा भाई केहि
भयां कोदैन केहि भयां का भयां द सि कुरुर फकी घ
र आउद न कुरुर न फर्क पदी तिघा कोदा भाई आई
पुछन सेंदहन मानु भनी माहाजन आ फा घा फर्कि
गया दाज्यरुहल कोदा भाई योजन भनी जोदा वारे
मा भाई लाई नर घाद भेय द नरे भाई आजकान भवे
लाभो कसा कुन गयो भनी स्वधदा तव कोदा भाई ले
भंदन रहे दाज्यरुहल आज सुन काम गमाता, जंगल
वार निस्कार लगा दीर साभूषण मगपनी, सगुद्र

सन्निभो वरुणः सन्निभो वरुणः सन्निभो वरुणः

भारतमा जहा वात मगतमो थो ताहा चिहं लार्ह
 कीलो थो की आया को दु भाली खेवै भात घाई हा
 भी, भाई कुकुर खेत ये कैद फा गरी जानु पद भनी स
 लाह गरी घा आई वेलुका भात घाई आज नद सो गरी
 भोली पलो वेहाने भात घाई, भाई १४ कुकुर खेत
 ये कैद फा गरी सिद्धा खेती जांदा जांदा किलो थो की
 आया का थो मा पुं गरी यो, समुद्र क सो गरी पारत
 रिजा न्या हो भनी कांदा भाई लं भंदा दा म्भ हल के हि
 मुक्ति जत नृ गर्न स की ना कांदा मधु काल सात समु
 द्र को पार १४ व थुलो रेहै न ते स ह्यमा सर लो हो न्यार
 तो समुद्र वा का द्य गालागी जोरियो, तो सार को द्य
 का प्राची पुं ग गरी सांघु व नहि सांघु व धी सातै भाई
 समुद्र पारती गया, सातै भाई लो कुर्नि दी या ते स म्भ ग
 १ वती लाई १४ कुकुर पदीर लागी लगदीर सात भाई १४
 कुकुर लो मग लाई भेदाई मर्न से के ना त स वी न ग म्भ
 ग पनी गुफा भित्र पयो साक पनी पयो न ते नि ह्म भाई
 १४ कुकुर ला हो दे खी जांदा रंथ क सो वन को भ हल म्भ
 ग्यार तो भ हल क स्तार देह भने चौरै तर्फ धा का म
 या को चौरै दी सा मान स र्थी वती वाली गु धा को
 भा म्भ द व ता स्थाप नाग या को रेहै तो भ हल मा
 ति नि ह्म भाई गे भंन ला ग्या आ हा द की भीत्र को द

भनी बोलाया, त्या भ हल भी अ वंन स्वा ही प्रा नी
 संता भनी नृ हे भ ला प्रा नी संता ति मि ह्म जा हा वि
 न आ यो का का भ लो आ यो भी दा, भाई लो भनी नृ हे व
 धी आ भ हो सु नी व क नृ ह द स हा भी ह्म भाई १४ कुकुर
 र खेत भे या अ घा व न्या सिका खेती आउं दार रा
 पयो आ ठा रा त भे ग यो का हा जा उं का हा व सी जा हा आ
 गो व ती वा ली रा यो को द ता ही वा स व सी ला भ नी हा भी
 ह्म यो व न्या धु भी फे री आउं दार व ल र जा हा आई पुं ग्यो
 - अव हा भी ह्म ति प्रा द स र्न र्न आ यो य स व ला भे ग यो
 भो क भो कै द हा भी ह्म लाई जा हा वा स पु नी दे र्छा न प
 नी दे र्छा ति मि लाई व क्त ध र्मा हो ला भ नी नृ दा त्या व धी द
 की नी रा दे सु नी लो भ नी नृ हे भ ला प्रा नी स हा हा प्रो द्वा
 रि ह्म का डी वी वा व र्ध सं म्भ म र्द नो का पु य ते ह नी व
 र्त ती या कां द्वा आ ज व दी नृ लो व र्त सं दी त ग री दी या जा
 हा न आउं जा हा गुं के जा उं भंदा सात भाई लो भ नी नृ यो
 संता आ ठा रा र्थ का वी न मा हा भी ह्म का हा व न जा उं
 हे वृ छी आ भ ते लो न भ नृ हा ला हा भी ह्म लाई यो र प
 हा रा त लाई वा स दी या व क्त पुं न मि लो न द व र्त प नी
 थं दी त हुं ने ह न भ नी भंदा त प ता हा वृ धी दे की नी भं द नृ
 र्छि स्व भ या हा भी लो भं ते का कुरा म्भ ने भ या वा स प नी र्छि
 द्वा या नृ धी नृ व हुं ने वि द्वा ना स्म र्दि द्वा भंदा सात भा
 र्छि लो मां नृ ला भ नी वा या ग म्भ र्छि की नी रा दे स नी ल

क्या भेदी न भने हाथो दोरी रुद्र ॥ वती का प्रत जती
 तिमिर रुद्र ॥ भाई ले वत भं गगरी दीयो अवतिमिर रुद्र ॥
 भाई ले जे था लाई जेठी ॥ भाही ला लाई भाही ली ये स्त
 गरी रो रु मिलाई मेरी देरी रुद्र ॥ वती विवाह गरी भनी
 जगदाहे का सरा जाम् तया गरी ॥ भोली पल ॥ भाई लाई
 ॥ दी दी वही निदी की नी राक्षनी का दोरी रुद्र ॥ वी वाह
 गरी दीया ॥ विवाह गरी से के पदी ॥ २४ दी न ताही भोज
 मजा क संग वसी ॥ सा सु संग गहमी रुद्र ॥ लाई न पाजी
 का रु पाले ॥ वी वाह पनी भै सव को वरुत संग मजा मजा
 कपनी भयो ॥ अवलामी रुद्र ॥ लाई वी दा व के लामी रुद्र ॥
 रजा रु भने रुद्र ॥ आका २ रानी रुद्र सीत पनी घाजा
 रु भने रुद्र ॥ तव ताहा रानी रुद्र ॥ भई रुद्र ॥ हे स्वामी रुद्र
 अवलामी रुद्र ॥ मे का प्रत सं पुन भयां का दे न वत सी
 पुन भया पदी जाई ला भने रुद्र ॥ भाई रुद्र ॥ मे रुद्र
 भव हि वसी रुद्र ॥ भाई का रुद्र म के रुद्र ॥ भन दी
 रुद्र सी का ॥ यल न जो थं ये क ता दी न भोली ॥ मे रुद्र ॥
 मे आज जे स्तो का दी रानी ले आका य सम मधुका
 राजा संग विनिगम्य हे प्रभु रुद्र स्वामी महा राज भो रवी
 तिसु नी वकी यो स क सो भने आज ये क दि न रुद्र ॥
 रले गगन रुद्र रुद्र के न भने रुद्र ॥ को मे रो वी वाह भयां का
 पा ॥ मे रुद्र ॥ मे स के रुद्र ॥ आज सम ये क दी न ये क रुद्र ॥

मे सुत न रुद्र रुद्र से त पाया को दे न प्रभु रुद्र लाई मी
 थान सी नो भोज सं मे के हि सुवा रुद्र पाया को दे न प्रभु
 रुद्र रुद्र के कृपा पनी के ले गर्न पाया को पनी दे न भनी
 वीती गरी रुद्र भनी का रुद्र मधुका राजा ताही वस्या
 अरु ॥ भाई मा रुद्र सी का ॥ भा गया राजा मधुका लाई भाका
 रानी ले दी न भने रुद्र मी पो वी न वीज मसि नो वरु मे
 री सुवाया ॥ जव सा जपो थो ॥ राजा मधुका ले मी ना गरी
 से के पदी आका यो पी मोगे रुद्र का ला गरी रुद्र ताहा का
 दी रानी का मन मा ॥ राजा ले तो रुद्र रुद्र के कृपा कया हा
 भनी सो ॥ थो न रुद्र विस्ता गरी ला भनी वसी रुद्र का थो
 या रुद्र राजा ले के हि रुद्र सो थो न रुद्र ताहा रानी ले ज्या
 ना गरी से के पदी ॥ विला पग र्दे रुद्र रुद्र ताहा रानी का
 मन मा अव क सो गने हो भनी आका रुद्र थो भाडा मकी
 सकी या पदी ॥ राजा का यो पी मोगे रुद्र का ला गो का था
 रुद्र पलीग भाथी मे आका स्वामी को नी द्रा ला मे को ही
 ताहा रानी का मन मा ची तना गने ला गी रुद्र ये ती के दि
 भयो ॥ दी रुद्र का दी न सी का ॥ मा सवारी रुद्र थो ॥ आज ये
 क दी न के हि रुद्र रुद्र के कृपा क रुद्र ला भनी ॥ धा भी रु
 ये के ॥ पी रुद्र ॥ अव प्रभु स्वामी लाई भने सांठे थकी
 लागी नी द्रा ला रो पी लागी न भनी ॥ भया सा रुद्र रुद्र ला
 गी वी ला पग र्दे रुद्र रुद्र रानी का आलु ले ॥ राजा का दाती

मापि लुगा भीती ची सोइंदा एजा हाई नी दावा द विष
 जू हेई ताहा चानी पनी नपो को यो क्यो दो ची सा
 भयो भनी राजा आ सखी पानी दाहा भई नू ॥
 ॥ हे सखी री हो ॥ अगुन देरु वाद न नाही का हा सै वर सत
 द कोह कारन जी रला आ सु सोही मन पदु ताई ॥ १ ॥
 ताहा राती वीती गर्दन ॥ हे राजा मधुका हो ॥ छ वल मा
 स पुगल राजा ई की नी भारी सुवाई ॥ सोहि कारन जी
 ल आ सु सोहि मन पदु ताई ॥ २ ॥ राजा मधुका आ ग्या
 ई नू ॥ हे सखी री हो ॥ कौने जुगत सो वाचो लाजी या रा
 हा म के चता वल वात ॥ सोहि जुगत सो उत्रो ला पाई
 की नी खवा न पाई ॥ ३ ॥ रानी भई नू ॥ हे राजा मधुका हो ॥
 सय के रा दं ड पलो सये मुल्ला हो को चउरा थाई ॥ सोहि
 जुगत सो उत्रो ला पाई की नी खवा न पाई ॥ ४ ॥ फेरि रा
 नी भई नू ॥ हे राजा मधुका हो ॥ उत्राई सो मे रह लो पारी
 फती को सव्यागी राई ॥ सोहि जुगत सो उत्रो ला पाई
 की नी खवा न पाई ॥ सोहि सव सो ने कलो घोडा सात
 भाई त री जाई ॥ ५ ॥ फेरि रानी भई नू ॥ हे राजा मधुका हो
 हात की सइ चला वराजा फती को सव्यागी राई ॥ सो
 हि जुगत सो उत्रो ला पाई की नी खवा न पाई ॥ ६ ॥ फेरि
 रानी भई नू ॥ हे राजा मधुका हो त भुता राजा घोडा

को पिथ मा हा मुता रहे व हि थाई ॥ सोहि कारन ई की
 नी जो के हा मुतानी थये थाई ॥ ७ ॥ राजा भई नू ॥ हे सखी
 री हो ॥ आवन आव घोडा के पीथ मा संगे मे हा मुचली
 जाई ॥ सोहि कारन ई की नी जो के हा मुतानी थये न थाई ॥
 ॥ ८ ॥ फेरि राजा भई नू ॥ हे सखी री हो ॥ वायु द ल चता स आ
 वला ई की नी पकल घोडा के पुछा कौने जुगत सो उत्रो
 ला पाई की नी भारी सुवाई ॥ ९ ॥ रानी भई नू ॥ हे राजा
 मधुका हो ॥ हात की सइ चला वराजा मे सो घोडा के पुछ
 र ॥ सोहि जुगत सो उत्रो ला पाई की नी व हि व हि जाई ॥
 ॥ १० ॥ असार्थ यो दाहा को अर्थ हो ॥ राजा भई नू ॥ हे रानी स्व
 र्ग त मा भने वा द ल छैन मेरा आ उ द्वाती मा भने पानी
 परी सवै लुगा भिजे को हो क सो भयो भनी सो छा
 र ॥ त व रानी ले वीती गर्दन हे प्रभु मेरा को हो स्व
 र्ग त वाट पानी प रि लुगा को लुगा दाती दाती भीजे का
 होई न मेरा आवा वाट आ सु आई भिजे को हो भयो
 राजा भई नू ॥ हे रानी ति मि की न रो या को हो कि न की की
 गर्द हो भाई उर हफ करेता मोती या को छन ति मि साई
 उवले हो की न हो हा भी भाई मा भेले जती पाक्रम दाउर
 हले गर्न सक देन रानी राजा ले भई रानी वीती गर्दन ॥ हे
 भाहा राज भो वीती सु नी व क नु ह व स हज पराक्रमी छे
 न भने को होई न क सो भने ई दु को अप सरा मु श्री वी

लुकोसाजवेहार दीर्घसोभासदासर्वदाभैलपुजाग
 रिगतीनाचरुतमगीरहृष्याभीवृष्टाविष्टमहोद
 वईन्द्रादीतेतीसकोतीदेवतामेरोनाचहरीवहुकुंष्ट्या
 यकडीनभानाचदा २ तालचुकार श्रीवीहुरीसानीभैआ
 ग्यागीरहेअपसालोकहोतेलेमलाईनरेहिलेला
 गरिसअवतेलेदिवेवाहुवर्षसम्भराक्षेसीकोकाय
 मावासलीनपरासभनीश्रीविष्टुवारश्रापडीनुभ
 योरस्वहिश्रापलेमाऊभ्राक्षेसीकाकायभाऊ
 अलीयाकोमात्रेहेमेरोआमादीडीहजुलदी
 कीनीएसेसीईन आजहजुलेडुयसुयकाकावी
 तीगर्दुसुनीवकनुरुवस आजहजुकोदाज्यहु
 भोरोस्मेकोवेहवभाज्यानजानलाग्योहिजोराती
 दिईसोहजुलेकोहनुभनीसुकालागनुभयोभ्र
 लाईथुलोबिरहलागदाभाभोरोयाकोहोफेरियोसा
 तवतीदकीनीहमलेहजुकादाज्यहुलाईहमेरासंभ
 पोस्याभोलीभारिकारुकरुगीपकाईयाईसाभ
 नीआजदकीनीहमलेदारघोतनगयाकाइनभोली
 हजुहजुभाईलाईतेसदकीनीहमलेभान्नीहनुह
 रीहरीकसगरीहजुकोहजुकादाज्यहुकोभासु
 भैलोपकाईदिनुपन्याहनुभोरोहातलेनेतेसदकीनी
 हमलाईयुवार्डिनुपन्याहयेतीगरीनदीयाभलाईपनी

भान्नीहनुआफ्रावसमनेथाज्यहुकोभासुक
 सागीपकाईनुयुवार्डिनुआफुलेकसोगरीयाईभनी
 भलाईवदोथुलोसुतीलागदातेलेकासुतीलेसहस्र
 नसकीभोरोयाकोहोहेप्रभहेमाहाराजहजुलेन
 भन्नाइनुभयोदधीहजुकाहतीदाज्यहुलवेकापहितला
 मातेसुवतीदकीनीहमलेभोतायोकीमातायनभनीकि
 रलेयोपीयालपारोराथाकोहोलातेलप्यालवारवोको
 पकलीआयाकोहोलाहजुलेवीचागरीहिवकनुरुव
 सुभनीकाक्षीरानीमधुमालतीलेवीत्रीगदीभयाताहाराता
 मधुकालेआग्यागरीनहेसनीतेसोभयाहोप्रोप्यानुतेस
 दीकीनीलेअवसेभारीयोनेहनुभनेहाप्रोप्यानुववार्डिनेई
 पायेकेहिहकीभेदागनीमधुमालतीलेवित्रिगमा
 हेमाहाराजतेसवेहाराहाईउपकागनेमवीतीगर्दु
 सुनीवकनुरुहोलाकसोभयेनाहोदधीईत्रयन्दमाये
 कडुदकोतलाईहनुतेसतलाईकादिल्याहवाकोची
 ईरासयेमरीहनुतेसतलाईमासयेफरादीदपेलानु
 त्योसयेमरीहवाकोह्यरासवेधानुतेसथाईमाभ
 याकोडुदसयेपिईनुतेसतलाईकामाऊमाफरिक्को
 येकवन्नाहनुतेसतलाईकोडुपडीश्रीवीहुरीकोसुदर्श
 नचक्रहनुत्यासुदर्शनचक्रलीयेतेसफरिक्काय
 म्यागीरदिनुत्येसधम्यावारवायुपधीनार्डिगाकेका
 उवतीघोदानिस्कीहनुताउवतीघोदानिकालनालाई॥

सातेचोटेसखमातेस सुदर्शनचक्रलेकातिगी
 हाईदीगुपदेयेकचोटेहीडावघोदानिस्कीजेथालाई
 वोकीउडाईहोजानेद २ चोटेहीडाअर्कोघोदानिस्की
 भाहीला लाईवोकीउडाईहोजानेद ३ येरहेपरिक्रम
 होगी ७ चोटेहीडा ७ भाईलाईसातेघोदानेसफुटि
 कृकासम्बावार निस्कीसातेभाईलाईवोकीउडाईले
 जानेद तसर्थउडाईलगी ७ सप्रपारगरीईईद ७ स
 मुद्रपापुग्यापदीनेसईकीनीराक्षसीहनुकोके
 हिलागदनभनी कीदीमधुमालतीरानीलेभनीन
 रयेतीकुरा रानीकोसुनी राजामधुकरातेभाईथी
 धनुठाकाकुरास्मालीवाहिर निस्कीकुर्लिदिया
 अदृजनादाज्जहदलेभनीन आजभाईलाईकेभयोव
 जुलाभयोकीउडासवीत्रभेयेस्त्रा एकावयत्मा निस्की
 दृष्टभनीदाज्जहदलेपनीआफ्ना २ धनुठाकाकुरास्माल
 ली है जनादाज्जहदपनी नीस्का सातेभाईज्जाभेस
 कयापदी राजामधुकरालेभनीन हदाज्जहदहोतिमिह
 हुकोपाईतलाहद भंडादेयायार हदाता सबेकापाईतला
 माहीरलेयापीहेरी रायाकोरहेछा त्याहेरि राजामधु
 कालेभनीन हदाज्जहदहोतिमिहदुकाखाही छवती
 रसासुस्त्रतवदोईकीनीदलादोराक्षसीरहेछ भेरा
 खाहीतईदुकाअपसरारहेछ ७ सदासर्वदा सादा

वेहानुदीनो ३ फराशीवीलुकोपुजागरीनाचक्रनेन
 गदिस्थाईन येकदिनमाचदातालचुकीयो श्रीवी
 लुरीसानीने आग्यागिरु हेअपसरालोकहोनैलेम
 लाईनतेहिहेलापोगरिस अवतैलेदिवेवाहुवर्धसी
 मईकीनी राक्षेसीकोकोसमाजमलिनपरास भ
 नी सरापदीडा साहिसारापलेमात्रमेरा सनीईकी
 नीका कोसमाजमली साहिसाराप भुक्राईगुमात्र
 आयाकोरहेछ हाभीहनुआयाको आजमेका
 भयो भोलीकादिमातेसईकीनीहदलेहाभीहनु
 भाईलाईमारीमासुपकाईथानेद भनी कीदामधु
 का राजालेआग्यागया अदृभाईलेसुस्कराहा
 लीभनीन अवहायाजीवकाईधा कुनेकेहिईपका
 रदकीदेनभनीस्वध्या राजामधुकरालेभनीन हे
 दाज्जहदहो जहोदेखिन उत्रा यन्दमायकडरका
 गलाईईन साहितलाईमा सयेफेरादीदपेली सये
 प्रीत्याहाकोचोडा याईनेसतलाईमाभयोकोडदस
 वेपिईनु सकाईपका अर्कोउपका कहिंदेनभनी
 कादामधुकरालेभंडा दाज्जहदलेकेहिगनीकोसाम
 र्थभयतगा कादामधुकराजाले येकलैतेसतला
 ईमगे सयेफेरादीदपेली सयेप्रतीत्याहाकोचोडा
 याईतलाईकोडदसवे याईसकेपदी सुदर्शनचक्र

हातमाली उसेवसीर ह्या फुतीक कोसमानकाधि
 तेसेरहीडा फेरि रानीले समरुई दिहनेराले फु
 तिककेसम्बाकातिगिहडा वायुपंथीनार्डगोकोघो
 डा निस्कोर ह्या हिघोडाचहिजेठाचाहिडाउघसा
 तसमुद्रपातया फेरिखम्बाकात्या अर्कोघोडा
 निस्कोर ह्या हिघोडाचहिमाहिलाचाहिडाउघसा
 तसमुद्रपातया यस्त्रेप्रकासीगतेस्यम्बाका
 नेघोडानिस्कीदेगडा रोल्सग ६ जनादाउघरुधो
 डाचही समुद्रपातयापदी सतैचोट हीडावुते
 वेगसंग वायुपंथीनार्डगोका वुतेवलीयोघोडानी
 स्कीडा आफुतेजलेआफेलेतनृजीडाघोडा धुंगामाप
 दादियोर न्योदेसीरजामधुकालेभनीनृमेरापराक्रम
 लेमर्दीडान्धरुधुंगेमापातीगयो मलाई उदाईले
 जनेघोडायस्त्रेभयापदी मंधेहिर ह्या अवतसदकी
 नीहदुलमलाईयादनृभनीवुतहेर स्याई सुस्के
 राहालीतेसघोडाकाआंरुमाहातलाईवसीर ह्याह्या
 घोडाउठार भनलाग्योहेमहाराजमधुकाहो क्यानवी
 लापमर्दद्वेजसुहा रुगुहदुभाईमावली योरक्र
 मीहजुंघेतसंअधुंगेता घोडा भिदावलीयापराक्र
 मीहजुंघेतसंअधुंगेता घोडा भिदावलीयापराक्र
 मीहजुंघेतसंअधुंगेता घोडा भिदावलीयापराक्र
 मीहजुंघेतसंअधुंगेता घोडा भिदावलीयापराक्र
 कतीसेदहनमानुष्योहंगेता घोडाहोता रुगुरका

दाउमाज उदाईलाग्योपैलेता रुगुरकाणीर रुगुरकाडा
 उरुहकोचगुथोकोकुकुरायावंतभयाकोसेवेउदाई
 लेजानसकदेअवमलाई जिनपोसकसताजत
 देईभनीधुंगामापदादीयाका घोडा उंठी भिदा रा
 जामधुका वुतसुसीने उंथीघोडा लाई जिनपो
 सकसी आफुघोडाचही आफुडाउघरुधुका धुंगे
 कोकुकुरासेन सराजामसेवेघोडाभाथीरवीजानतया
 रुगुरा मधुमालतीरानीलेभनीनृहेमहाराजदीकीनीले
 भोलीसवेभाईलाईयानेथीया मलाईतेराकर्तवेलोभ
 गाईस भनीमलाईदीकीनीहदुलेमाथीयानेद्वेन रुगुरका
 धर्मयेतेहोकी भिदा राजामधुकाले आफुगानीला
 इपनी आइ भनीबोलायाह रानीपनी घोडाभाथी चखा
 र घोडाले उदाईले मया उंदायाकासद सुनीदकीनी
 हदुवायुवतास भेउंठी आउंदा राजामधुका लाईसमु
 द्रकामाफुमाभेताया घोडाकापुद्दासभाती दीकी
 नीहदुकुडीया घोडा उंनेसकडा राजालेभनीनृरा
 दी दीकीनी हदुभाईपनी घोडाकापुद्दा सभाती अंव
 कसगाईभनीआग्यागया रानीलेभनीनृहेमहाराज
 रुगुरकावाफुतीवार तवीयलाईनुहवस दीकीनीहदु
 लेघोडाकोपुद्दा सभाती वुतवेगसंग तनिलाग्या
 कोह तसर्थ तोसुदसन्चकलेघोडाकोपुद्दाकाती

दीगुहवस र तवदंकीनीहृदितानेपलीगंगाले
 वगाईलेजायाछन् भन्या तवानीलेभनेभाफी
 क घोडाकोपुछाएजालेकातिदीया दंकीनीह
 हुडतानीपलीगंगालेवगाईलेगयाएजाानीसुसि
 जे समुद्रपातरी भईजग्गाभेनदीकाकीनाए
 मावीश्रापगया भातपकाईनेसाजामृतयाग
 रिमधुमालतीएनीलेभातपकाईरु भईलेन
 दीकाकीनामागुहार्दियास ध्यान पूजा पाठगो
 सीधार्दितेरीसकेतिदेवता सपईआईभातया
 नलाग्या भातघोडाअमृतयायाईवदुतमीधोभ
 याआश्चर्यमान्याउलेजग्गाभावीश्रापगयाए
 जवतपन्याएनीलेएजमधुकासंगभनलाग्या
 हमाराएजहेस्वामीयेककुमविंतिगर्दुसुनी
 वकलनुहवस शीवीसुवातमलाईआपडीनुभया
 कोआजदीयेवाहुवर्षपुग्योभोतेआप्रहामान
 लाईलीनवीमानलीशीवीहुकाहुतहभुआईनेछन्
 भेलेजानुपनेदहजालाईछाडीमेलोकसोगीजा
 ईकायाफेरीआपडीनेदकसोगानेहोभनीवीदी
 गदीएजातेकेहिउपाईदकीभनीस्वध्याएरा
 नीलेभनीनहेप्रभमाहाराजहुलाईभनेवदुतथा

काईलाग्याकोईआजकारतमानीद्वानपायाको
 रुजालाईधुलोमीडाभाईनेदहजानीद्रावाटवीमदी
 रहनुभयातामलाईलेजानसकनेछैनभनीभंडाईसो
 भयभजगोरहुलाभनीएजाजगोएहा २४घरिपछोआ
 गारहनसकीआफुडाअहृलाईभनीहोडाअहृ
 होजाहावनाज्ञगंगाकीनाएमाएतीकोआहुकोजाह
 तीमीहृदजताएयोधुकुजागोरहामयेदहीनसु
 तहुतपात्रीहुकोनीदआयाभलाईउथाईसुतनुनईथा
 इनसुतनुभनीएजामधुकासुकातागयातीजनादाई
 १४कुजागोरहेकाधोयाएतकोतेआपहामाशीवी
 हुकाहुतलेविमानलीआईमधुमालतीएनीलाईभनीन
 श्रीविष्णुकोकुक्रमभयोएतलाईलाईलीनहामीहृआ
 ज्यवीमानमावधुहवसभडाएनी१घासिमतिगुरि
 वसीएह्यार तवदुतहलेभन्याहेएनीकीनमीधुगिछो
 तिमिलाईकाभयोकाकोमायालग्योजानुहवसभ
 नीआग्याभयाशीवीहुकाहुजामासोहिवमोजीभ
 वीदीगर्नजडिभनीउतावक्याजावसभनीविंतिगया
 एएनीलेआग्यागरिनहेवीहुहुतहोदीयेवाहुवर्षस
 मईकीनीसंगईकीनीसंगवसिएहाकाईकीनीकोको
 यमासलीपाकोदेहृदवनभयाकोछैनसुधगीजानु
 पनेहोतसर्थतिमिहृदस्वर्गमेगंगाजलपानीभयाको
 नसुधमिसोवनकोघा १०८लाईदियाअह्मान

गदी कुं देह दं चनगी वीमान मावसी जाई ला भनी वेल
 कोठु भंडा उतहल तत्पणे गंगा जल भयाको सुबनको
 घा १०० लाई दीया मधुमालाति रानीले अहमानगने
 लागीत अहमागदी आधा पानी राजा मधुका को आउ मा
 पारीनुहाया तेती के पानी ले राजा लाई नुहाया पनी ई
 धेन न र हात ले छेत् घन घन्याया के हि थाउ मावी
 मृत्याया ते पनी राजा उधेन न जे थाज्य हल वठ कुका भ
 ने विमान आउ दे मा पुदी पारी र ह्या का थीया अबक सो
 गदि नो भन्या भयेन भनी आपु ले लाई राखे का अंगुथी
 रिकि राजा मधुका का कांही अंगुला मालाई दी आपु
 पछो राखे क पनी राजा लाई वध्याई दी आपु वीमान मा
 वसी लेके पछी तत्पणे उतहल ले ईडा सन मा श्री वी
 सुका हज्जा मा पुन्याई दिया श्री वी सुकाट आजा भयो
 अई पुन्यो अप सा भनी कुकुम भयो रानी मधुमाला
 तिले पुजा को स राजा मृत्या गरी श्री वी सुका पुजा
 गी पचापुज ने वदे सुहाई पाई मा पिक जोगि ई
 द वत गी वी ती गदी भया र हजो कुकुम ले दं की नी
 का को स मा ज न मली न गया का थी ज्ञ आज कु
 कुम भयो अई पुकी हज्जा को पाई को दर्शन पा
 या प्राक्ष भया अव सदा काल पाई को दर्शन गने

मधुकर गज्जु मारको ॥२६॥ मधुमालाति रानी को दोहा
 पावत भनी वी वी गत्या श्री वी सुवदुत सुसी भे कु
 कुम भयो हे मधुमालाती रानी अव देयी साज ये हान
 सदा काल मोले वागने रती नाच हे न ते ती लको
 दि देवता आउ हन रती नाच नु मधुसी दु भनी
 कुकुम भया मधुमालाती रानी वदुत सुसी भे कुकुम
 माफी के से वाग विवसी रहि न यो कराये हि सप्र
 र ह्या ॥ ताहा पछी राजा मधुका जोग भया पछी
 आपु रानी लाई न दे घडा भंदन हे दाज्य हल हात पा
 भी हल का वो हारी का गयो भनी सो ध्या दाज्य
 हल ले भनी हे भाई हामी हल ले ता के हि था हा पायन
 अले भ्रात्री जुली चमक्या हे मान्या थ्या हामी भा
 ई वठ कुका पुछी मा पया का थीया भंडा राजा मधुका
 र ले आग्या गयो हे दाज्य हो तो मि हल लाई नी दु आया
 मलाई ई थाई सुतनु भने का थीया यत्न दी का ति मा को
 आउ हन को जाई हन मलाई न ई थान न सुतनु भने का मे
 कर के हि की चीट माने नौ की भाई लेक से गदी रहे ह म
 नी मन ले था त्या को हो की मेरा रानी छो ति मि भाई ले
 म मा थी पाप गालि का या को हो की तपाई हल भाई ले
 मेरा रानी लाई त्याई ने पछल पायनो भन्ये ये हि सुन्दरी
 नचकले रानी मागि दिहो भनी भने को मा दाज्य हल ले भ

छन हे भाई हो तिमि हाया सोहव हो तिमे पिछ्यामा
 वसेकाहु माया पायलाहु पाया पुनेहु जगद
 हो तिमे सनमाहु हाणीहले लुकायाको भयातिप्र
 रानी पृथ्वी विमा होला पृथ्वी माता संग सोधीहान
 भनी भयो तव राजा मधुका ले पृथ्वी माता लाई
 आरधतागरी भंदन हे पृथ्वी माता हो मेरा रानीयो
 दाज्यहले माया की कतै लुकायाको दुकी जस्तोको
 तस्त्रो वोलनु पर्छ अमी ध्यावोली सुभने यहि सुदस
 नचक्रले हादहु भंडा पृथ्वी माता आग्या गर्दछन हे राजा
 मधुका हो तिमिले मलाई सुदस नचक्र ताकेयो हामीजा
 हो भयो तिमिकस्ता हो भने वडा पराक्रमी श्रीब्रह्मावि
 शुभेश्वर तेती सकेटी देवता ले वरदान दीयाको दुरु
 तसर्थ आत्माको काम सीधार्ग सकने यस्तावी परा
 क्रमी राजा तिमि हो भनी पृथ्वी माता भुमी फुताई कनवा
 हिनीस्की आग्या गर्दछन मेरा पृथ्वीवी भीत्रमा तेरा रानी
 देन तेरा रानी कसैले लुकायाको पनि छैन कसैले माया
 को पनि छैन उका लुगा फाता हाइकेस केहि पनि यो
 पृथ्वीवीमा छैन कसो भोको जानी मैले लुकायो केको
 भया श्रीसूर्य देवता ले चाल पाईछन श्रीसूर्य देव
 ता संग सोधीहनु हवस भया राजा मधुका ले

उसो भया श्रीसूर्य नउदायासंम तिमि जाहावाट जानु
 हुंदैन भनी पृथ्वी माता लाई ताहि राख्या श्रीसूर्य उदाया
 भंदी राजा भंदन हे सूर्य देवता हो तिमिले यो पृथ्वीवी
 भामा मेरा रानी कसैले लुकायाको दुकी छैन तिमि अ
 कास्यानी हो करे भयापनी चाल पाईनु पर्छ जस्तोको त
 स्त्रोको हे नो भया येहि सुदस नचक्रले हादहु भंडा श्रीसु
 र्य देवता पनि जाहि जाहि भै भंदन हे राजा मधुका हो
 तिमिकस्ता हो भने बुझा वीछु मेह भ्राईन्द्रा दीतेती
 स्कोटी देवता का वरदान पाई आयाका हो आत्माको
 काम फल्येगर्न सकने यस्तावी पराक्रमी राजा तिमि हो
 तिप्रारानी लाई कसैले लुकाई राखेको मायाको पनि छैन
 नमैलेता कसै भयापनी देखनु पर्छ मैलेता देखीयेनक
 सोभोको जानी तै पनि एतका वीचमा केहि भया मेरा
 दाज्य चन्द्रमाले चाल पाईछन भनी श्रीसूर्य देवता ले भ
 या राजा मधुका ले उसो भया चन्द्रमान उदायासंम ति
 मि अस्ताउनु हुंदैन भनी श्रीसूर्य देवता लाई ताहि राख्या
 चन्द्रमा उदाया पर्छ राजा मधुका भंदन हे चन्द्र देवता हो
 मेरा रानीयो पृथ्वीवी भामा कसैले लुकायाको दुकी क
 सोभयो जस्तोको तस्त्रो भने नो भने यहि सुदस नचक्र
 ले हादहु भनी आग्या चन्द्र देवता जाहि भै भंदन
 हे राजा मधुका हो तिमिकस्ता हो भयो श्रीब्रह्मावी

लुभहेश्वादिनेतीसकोटिदेवतालेवादानदी
 याकाकुनाले आकाशपी आयापनी सिद्धगनेह
 कनेयस्त्रापी पात्रमी राजातिमिदो हे राजाम
 धुका हो तिप्रासनी कलो भईने रतको ते आग्रह
 वित्पापदी तिप्रादाज्य हृद् जना १०८ कृक स्मेत
 मुर्छापीरहा कधीया मेरापनी तिजमारी श्रीवीलु
 काहुतलो तिप्रासनी लाई विमान माहाली ईद्रासन
 मातापतिप्रासनी योपथी माउल मापनी देन मेरा
 भाई सुखी होपनी चाल पाई देन भनी भव्या राजामधु
 कलो ई सोभया वेहक मात्रे मेरा दाज्य हृद् लाई
 निमिहृद् ३ जनो देवता लाई सुदर्शन चक्र ताकाकोयो
 पापकलो गरी मुक्तुं हृद् मलाई सोक्ष्याति वकलु
 हृद् भनी राजामधु कलो भंडा पथी माता चन्द्रमा
 सुख देवता भाग्यामर्द्धन हामी तिन जनाता वरोवाधु
 सेके देयी तिमिले हामी लाई माली हामी सेके देयी तीनी
 लाई मारोला हामी लाई सुदर्शन चक्र ताकाकोना पाप
 देन तिप्रापिद्या मापन्या कादाज्य हृद् लाई ताकाकोमा
 नमोत्रहृदाला महे राजामधु का हो यो नमोत्रहृदाला
 कनारु जालाई केगर्तु पद भने येकजगाभा जानु वधेचाव
 नाईनु पोखरित लाई संतुपनी पोवाधा कुवाचो धारा

वनाईनु वापीपल सुतलादारी मईत्यादी सेवे जो भयोका
 फल फल लाईनु दोहा वजा लाईनु सेवे थारि प्राप्तीया
 गीदीनु १०८ वाहन लाई १०८ गाई दान गरी भोजन स्मेत
 गाई दीनु पानी अमला प्राप्ते सा उरते लछा चावल दा
 ईराम गी सदावर्त राखी दीनु येती गी सेके पदी गोत्रहृदया
 मुक्तुं हृद् भनी पथी माताले भाग्यागव्या चन्द्र सूर्य लेपनी
 तले ग राजामधु का हो भनी भव्या येती गी सेक्या पदी ति
 प्रोसवे कुतो वनी वनाई होला भनी येती कुासिकाई तिन देव
 ताहृद् आक्रा आक्रा भाभम मागया ताहा पदी सो भाई घो
 दाचही जाना २ येक थारि मायेक जगा फराव भयोको थारि
 मागे ताहा वसी साते भाई लेपोखरि यनी धारा पोवा पा
 ती कुवा वधेचा वनाई दोहा वजा लाई फल फल ईत्या
 दीवीद वारोपी पंचामृत हरि थारि २ प्राप्ती स्त्राम गी १०८
 वाहन लाई १०८ मोदान गरी दीवाहन भोजन स्मेत गाई
 दी सेके पदी नुनेले छाये सा चावल प्राप्ता दादवा अम
 लापानी स्मेत सिधाको सा जाम नया गरी दी सदावर्ता
 खी दीनों ताहा पदी भाई घोदाचही जोडा जोडा पीपा
 वती मेयाका वावाको देस मापुग्या ताहा एजाको हर्म
 श्रीको तागे थापी हर्मि ठले नुत्याई राखे कोर हृद्
 जेथाचाही दाज्य ले तागे हान भाई भंडा कीदा भाई म

धुका ले सो ठाल जस्तो तो ऐके हनु ऐका तो एथा
 पी दीया हांन्या थीया भन्या यो फुला ता हा का पी
 फावती मैया ले सुनी आ फुल यदु सखी लाई दा की भनी
 न हनु पचन्द्र सखी हो वाहा तो एथा पी एथा को थार
 मा को आई रहे छु तिनि हनु ले ऐ लो गन्या को फुला क्या
 हो फुली आई भनी त्यो सखी लाई पथाई नृ ता हा हनु पी
 दु सखी मे भनी नृ हे पा दे सी हो तिनि हनु का हा वाट
 आयो का हा जान्यो तिनि हनु का जात क्या हो तिनि हनु ले ऐ
 लो गन्या को फुला क्या हो क हो भनी भन्या उनी हनु ले भंड
 नृ हा भी हनु पदम दिसा वाट आयो पुर्व दीसा मा जा कु
 हा भी हनु मुसा फे सी पाही ई ऐ लो बोल्या को फुला हा मा
 जथा भाई ले त्यो थलो मा फुला दा प्र को तो ए था प्या को
 रहे छु हा नृ भंडा की दा भाई ले त्यो थाल जस्तो तो ऐक्या हा
 तो ऐ को तो ए था पी दीया हा नृ ला भनी भने को हो भनी भंडा
 खका सुनी पफावती रानी का हागे नृ पचन्द्र सखी ले ता
 हा गन्या को वता नृ फुला कहि दिया पफावती रानी वहुत
 आस र्य मानी आ फुला सी को सुन को के ल व ही की त्यो सखी
 लाई दी भनी नृ ला प्या हो नृ पचन्द्र सखी हो यो के स लगो तो ए
 था पी देई तो ए हांदा त्यो के स को मा मै मा के स वी रियो भ
 न्या त्यो सा स्मेत मा मै मा वी रियो को के स स्मेत लि आई
 नृ भनी पथाई नृ त्यो सखी मे ऐका तो ए था पी दीया

एजा म धुका ले आ फुलाई अधी वा दान दिने वृद्धा वी हनु मेह
 थाई दूदी तेति स्को ती देवता लाई सम की भिद नृ हे ते ती ल
 को दि देवता हो हि जो म लाई जे का श्रिता या पती फटे रु व स
 भनी वा दान दिया को हो आज पी फावती रानी का के स मा मा मै
 मा के स चिद् भनी वा हा स्म को ता ऐ की की रु दिा के स का
 मा मै मा के स चि रियो सो ही चि रियो को के स सा
 स्मेत ली नृ पचन्द्र सखी ले पफावती रानी का हा पुन्या ई दी या
 ए पी फावती रानी वहुत छु सी मै सो हि के स सा स्मेत ली
 आ फुला वा का हागे भिद नृ अधी म लाई मा नृ वृद्धा वी हनु
 मा हो दे व ई दूदी ते ती स्को ती देवता आ या मा ते स वे ला पा
 मै ले त पाई सग के से ले म लाई मा नृ आ या पती ते दे ई दी
 यो भन्या हत्या गि मई छु मे ए दी डी हनु पी ते दे ई भनी भने
 को हो के न भने मे ए पु नृ य एजा म धुका के को भाई छु नृ उर का
 दा नृ हनु का वी वा हा न मै तिनि हनु ले विवाह ग दें न ते से ले
 के हि का म मा पु गी आई दु भनी गी जानु भया को हो आज
 ते भाई आई पु नृ भयो म लाई अवा एजा म धुका संग विवाह
 गी दि नृ रु व स विवाह गी दि नृ भये न भन्या हत्या गि मई
 छु भनी वी नृ गी सो हि मा मै मा के स चि रियो को के स
 सा स्मेत आ फुला वृ का पु नृ यी गी मा रा धि दिया ए एजा
 आस र्य मानी दाई अव मै ले के सा गने हो भनी घरे दे थी
 सती मा नी म धुका एजा का भाई व से का थाई मा गे हा सी

हासीवदोआदा भावगिबोलाई स्वाते भाईलाईदा
 वारमा ल्याई आजागीन तपाजीहनुको हुनु काहोदे
 सीआईनु भयोभनीभँडा भाईलो भँदर हासी भाई
 राजपुत्रहुँ भनीभँडा राजा भँदर मेराभनी वतीछोरी
 दत्त मेराकाछोछोरिल तपाजीहनु भाईलाई हा
 सी दीदी बहिनीवीवाहगणिनदीया ह तपागीम
 दहु भनीभँदर सोअर्थले ज्यथालाई जेथीमा
 हिलालाई माहिली साहिलालाई साहिली यसै
 परीक्रमसंगवीवाहगणिलेभँडा राजामधुका भँ
 दर हासीहनुलेकासावगासलेवीवाह गर्नु भँडा रा
 राजा भँदर तपाजीहनुलेवीवाह मात्रगर्नुहवसमे
 तेराजेआधीतपाजीहनुलाईदिनु भँडा राजामधु
 कालेभँदर तपाजीवाहवदुतमेरा मागीराखनु
 भयोवधीयाभो वीवाह गर्नुला भँडा पँफावतीरा
 नीकावावाले तत्काल जोचाहियाको दुवैपदी
 लाईवीवाहकोराजाभतयागणि जथालाई जेथी
 माहिला लाई माहिली साहिलालाई सी हिली
 यस्तपरीक्रमसीतकाद्वामधुका राजालाई काछी
 पँफावतीरानीवीवाहगणिलीया ताहापदीअ

दृष्ट जनादाज्यहनुलाई जनहि वापुम्को राजा
 दिकाछालाई दवीमाजोभयोकोआम्दानीआधी
 पुनुद दिरायोकेहिबखसभ ईनीहनुवदीवसीछा
 येकदिनेएतीमधुका राजासुती र हँदा स्वपनामा
 मधुमालटिगानीसीतवसीका काहानीगिरछा
 काईनकाछेन्द वन्द नकल गलववाट वेहाए
 रीनीन्दावाटवीमज्या आभूरा नी मधुमालतीला
 ईसभभिकनवदुत वीलापगि हुन लाग्या अहोछे
 कीहनु आईवकाईदापनी कुहेना फेरिआक्राससुता
 जाआईकुहाउनलाहाहेकुवाईकेनहोयो तपाईका मन
 माज्यालाग्याकोह सोकाभैलेपुन्याईदिईलाभनीकु
 कुराहुँदा राजामधुका सुसीभैदुनछोडीभँदरआज
 काएतकासपनामा हुनुकीछेदीभँडाअधीभैलेवी
 वाहगणिराख्यामधुमालतिगानीसगवसीका काहना
 गिरछाकोसभभैरोयाकोह मधुमालतीरानीकाविस्वा
 काछनेतेरीथाहापायाहुँद भँडातवताहाआक्राससुता
 आक्रासभैरका लाग्या स्वाधी वातनजान्यापवर्षदे
 धीमाधीकोकेताकेरितेन्हा री कुठा मँजिपेदीत थार
 कीप्रजाहनुनेहुकागरी कतुवालकीआई मागल्यास
 वसभैल भया राजालआजाग्यारायोपधीविमा

रानी मधुमालती का हाव स का दूरे कलै ले देखा को द
 की भनी हुकुम मया वदा वदा जान्या जोती स पाणिष
 सिधक तपशी वालन पंडीत हलै आफ़ा पोखक
 साखे हवा कलै का साखे मापनी मधुमालती रानी
 आहा दूरे भनी ठहराई ने सकी ये नर एक पुठा वाल
 न कपोल क मावदा जान्या पंडीत ले रोखा को रहे छंद
 मधुमालती रानी महल पुरे समाई भनी लेखा
 को रहे सोहि का गजली मधुकारा जालाई दि
 या राजा मधुकारा ले आफ़ा ससुरा सासु हनरा
 नी पीफ़ावती संग विदा भै थुलो घोडा लाई महल
 पुरे लना प्रचार दिजर तल महल मानौ भै क थुला
 को दबी हुडा भौ ज बोडा कासार सुती गोर मोम हनरा को
 छ पानी जामे देउ भवा मानी जलना को हिर हनरा चा
 रैत क कोद मात्र बाढि राखा को रहे तो घोडा हलै
 कै ले पनी आनवाई देन सी धामु क को सो मुकी
 ह्या दूर तेस थुमा उत्र पति येक पती को तलाउ रह
 र ताहा जार पानी आई आउ भनी घोडा ले भंयोर पातया
 आर अउ पुन पती का धोक खोलि घोडा लाई मैहास
 मपोल्यार वाहिर निकाल्यो तो घोडा भंजन हराम लाई
 जीनपोल कस तपार ले जाहा भंजो ताहा पुनवाई देउला
 भंजो राजा भंजु मलार भंजो काहु पुनवाई देउला
 ईदी गुमदेन मधुमालती रानी वस्या को थाई मापुमाई दिवाई भ

ति भंजो बादा मधुमालती रानी वस्यक थुमाता म
 जाल स करेन मए भाई दिना देता मा बाढ या का कोर
 ले चाल पाया को जानी भंदा फेरि देही न दारवाजी को
 धोका धाली ताहा को घोडा लाई मैहास सीम पो
 सी की बाहिली कलैया पोखक रहे राम लाई
 जीनपोल कस तपार ले जाहा भंजु मलार दि
 ला भंजो राजा भंजु मलार मधुमालती रानी वस्या
 का थुमा पुनवाई दिवाई भंजो घोडा ले म मालती
 वस्या का थुमाता जान स करेन मेरा माप श्रीमदि
 ता का दरवाजा मावा धी या को दति नि ले चाल पाया को
 जानि भंजो फेरि पाई मदि ता का धोका धाली ताहा को
 घोडा लाई मैहास सीम पोखी बाहिली कलैया पोखक भंज
 हुता मा लाई जीनपोल कस ती मो ले जाहा भंजु मलार
 लाई ई देला भंजो राजा ले मलाई भंजो पुनवाई देउला
 मधुमालती रानी वस्या को थाई मापुमाई दिवाई भंजो
 घोडा ले ताहा मा जान स करेन मेरा माप उत्र प
 दिका दरवाजा मावा धी या को दति नि ले चाल पाया
 को जानी भंदा फेरि उत्र पदिका धोका धाली ताहा को
 घोडा लाई मैहास सीम पोखी बाहिली कलैया घोडा
 भंजु मलार जीनपोल कस तपार ले जाहा भंजु वाहाप
 पाई दि देला भंजो राजा ले मलाई भंजो पुनवाई देउला मधु

मालती रानी वस्त्रा का थारु मा पुआई दिया कुंभ नंद
 घोडा लेई वस्त्रा का थारु माता न जान सकै न इनका
 अष्टाना नैठारु मा संभ नया मैले पुआई दिइला ता
 हाजा नुलाई अव मैले मुक्ति वताइ दु सुं नु हव स वाग
 कोलतारो ४ थुलो गीवात नु मधु मालती रानी सु
 कालाग पीछा मुनी १०८ घेला अमृत पानी राख्या
 कोइ नैठारु मा १०८ अमृत को दाना दू नु सा
 १०८ अमृत दाना साई मेरा जग मा वाठ त्याहा ता
 रोले नलाई दिनु गीवात अमृत को घेला १०८ पनी
 वाधी दी जान नैठारु मा धाउ धाउ मो देवता को कुंदल आ
 ईई सो कुंदल मा आनी ज्वाला निस्कई उरै पोले देव
 ज्वाला ले घेला मा अमृत को घेला ले अहमान गरा उनु
 अमृत को दाना १ मलाई सीत दी मु यस्तै ताह सीगं स प
 कुंदल तरी जाइला मनी मंदार जाले घोडा ले मया माफ
 कु अमृत को घेला अमृत को दाना त्याह वाग कोलतारो
 पाती घोडालाई जीन पोस कसीत पार गरी घोडा च
 थार घोडा ले पनी उदाई ले जाडा जांदा मै हू गने स
 कुंदल मा आई पुग्या ॥ ॥ हे राजा मधु का हो मार ह
 राजा ता जन ता जन गने स कुंदल पई चाई ॥ गने स कु
 दल सै जोती निकले देह गली गली जाई ॥ ॥ भये

रीत सींगी दगाई जानु पने कुं गउला ॥ ११॥ भैरव कुंदल २
 गोसाई कुंदल ३ सरस्वती कुंदल ४ सूर्य कुंदल ५
 चंद्र कुंदल ६ ब्रह्मा कुंदल ७ हृद कुंदल ८ लक्ष्मी कु
 दल ९ भीमसेन कुंदल १० नर कुंदल ११ भवानी कुंद
 ल १२ कहे स्वती कुंदल १३ कुमा कुंदल १४ अर्जुन कु
 दल १५ दुर्गा कुंदल १६ सहदेव कुंदल १७ युधी शी
 र कुंदल १८ सीता कुंदल १९ भगवती कुंदल २० रा
 म कुंदल २१ वासुदेव कुंदल २२ गोदावरी कुंदल २३
 शिखी कुंदल २४ नारद कुंदल २५ ज्वाला कुंदल २६
 गायत्री कुंदल २७ गीरी कुंदल २८ इंदु कुंदल २९ काली
 कुंदल ३० इंद्र कुंदल ३१ पारवती कुंदल ३२ भागीरथी कु
 दल ३३ हनुमान कुंदल ३४ माता कुंदल ३५ मुनी कुंदल ३६
 सेत्री कुंदल ३७ राधा कुंदल ३८ वीरभारी कुंदल ३९ व
 शी कुंदल ४० देव कुंदल ४१ कृष्ण कुंदल ४२ छाती कुंदल
 ४३ कदा कुंदल ४४ थाका कुंदल ४५ सखा कुंदल ४६ प
 थी कुंदल ४७ राजधाम कुंदल ४८ पुने कुंदल ४९ वा
 ह कुंदल ५० पुषा कुंदल ५१ कुमा कुंदल ५२ गोवी
 द कुंदल ५३ सते कुंदल ५४ वागहि कुंदल ५५ हरि
 कुंदल ५६ भारथ कुंदल ५७ कृती कुंदल ५८ वागदा
 र कुंदल ५९ भागवती कुंदल ६० मनी कर्तिका कुंदल ६१

कुमुभयेन जेथासुहृदककुसुमेविमानआई
 देमाभुव्यापीरघाकाधीयाभेवअंगुथीएवप
 धोएभेरेविहोतपात्रीलाईदादीआयाभेलेमाया
 मारीआयाकोहोईनतपात्रीआईपुमुभयेवडीया
 भयेभवयोताभेरेवीतीलागोसक्याहोभन्याहुमा
 ॥ जोलीवभुरलीवदादीजोतपात्रीजानहुसस्वा
 सवसनावेलाभवापदीवयकअसलजगामगेअ
 कीलाभागीवदावदाएसेमुनीबहुनभागीनबहु
 अकीकोठानीपारीचोदाभानवहुवासवाउठने
 बेलाभाचोवालीसमाविदाभागीजानअकीकोस
 दावतेनधानभागीनधानभनीयकदालापनीडी
 भनलाग्यावासवस्वायोदालातकतक्याईनुसा
 वनकोसारसीधासनतयाहुदतुवोहातलउडा
 सारदीनुरजुनकीएतजोस्त्राउदिमैस्ववनकोभूए
 भेगीगांजेंसागाकोजलस्त्राईपुयाईदुनकोलीमा
 हातहालनुमनलेजोचितायाकालदुपेडाभोथाई
 पकुवातचोएसीभोजाकीकायातेशाप्रहमायो
 भुरलीवजाईडीनुहवस्वमआईपुमदुयोक्राको
 सत्यवाचामयोभनीएनीलेवीतीगएनएजासमा
 नेतफेरीएजालेएनीजालभनीआफुपतका
 ऊकाईआफुकंसाएनीकोकंसाकाधीएनी

लाईजानडीयेनदएनीलेवीतीगएनभीवीहकोपुजागर्मा
 वेलाभयोपुजाअकेभीमाफेरीआपडीनेदनुभनीभंडाभनी
 गमादाअवकसोगर्माहोभनीएजालाईनिद्राहालीडीपुतुका
 रोवाधाकोफुकाईअबजातुभयोभनीप्रमावीचागमाअव
 एजालाईदियाकाद्यालाजोलीतुम्बाभुरलीएजालेदादीजाला
 भनीचक्रलेताहातावेनुएसीआफुवीमानभावसीनुस्वर्गपु
 गीवीहकोपुजागर्मावसीनुमधुमालतीएनीगयापदीएजा
 लाईनीकावारवीमृज्याहेडीएनीदेवियेनएवदुनविलापगी
 हुनलागीनुईडाईडावप्रहडीनुभयोप्रमावीचागर्मायो
 दालावध्याउनुतुम्बामापावीस्त्राईनुभुरलीवजाईमानुदियाको
 जोलीमाहालनुयसैप्रकासगभनीभागीधानभनीदादीगयाको
 होयकोहोमायालेहुकोहेनदभनीभेलेमायालेनसकी
 भेलेप्रातमधुमालतीएनीकहागेभेर्भनीएरुदीनुआईनया
 ईयसैउधगीजोअदैआयाआजभोएनीलेभोदालाजोली
 भुरलीतुम्बाडीजोगीकोभेसुगर्मागीयाभनीकामेलेगी
 देवाईगयाकोहोनाहासकोहेलागयापदीतेसुलेदा
 दीगयाकोकेहिलीदेनभनीताहादादीएजामधुकगवा
 लीनभनीदीनुभदुमीफीरितेसैजगामाआईपुददाआ
 धर्यमाभेभवकुलाभयोकीकलोभयोयहिथारिमाआईपु
 गयाआजपनीयोदालाकोलीतुम्बाभुरलीलीदेनभनीफेरी
 दादीगयाफेरीदीनुभदुमीफीरितेसैजगामाआईपु
 ददायोकाआधर्यहोभनीताहवसीएद्याजवातपयोए
 नीलेभनेकोहोकीहोईनभनीचोवालीसंगभेभेदनुहे

पौवाली लोक हौं मको वासदेई भनी मादा पौवाली
 दन अवेवाली वैधो चुला चौकानै या है सीधा सदा
 वर्त भीतै या है भंडा एजा भंड नु हम माहानहि वैधो भनी
 यदुधलो वृक्ष भनी गै वासवसी दाला तदुत कया लोवन
 वात सीहासन तया भया तुम्हालाई उदो सारी दीया
 सोवर्न को कुरि भै गंगा जल पानी ल्याई दीया हात पाई
 कोई आक्राई क्षमया को मन ले विताई जोली वार कि की बा
 याते आ प्रह मा मुली वजाई दीया मधुमालती एनी वि
 मान मावसी आई पुगी न एजा लाई श्री विष्णु को चर्ना मृत पा
 ती प्रसाद मै वी दे दीया एजा ले पनी सी चहाई न पाती
 प्रसाद खाई उई जना को हासी ठता गी रुडा भोग गुरि भोज
 मजाक संग सुकालागया भोली पल विहानै कुसुमा का दा
 कुसागे मधुमालती एनी विमान मावसी आई गई न एजा
 मात्र वेहान उठी असुना न गुरि मासु ध्या न पुजा पाठ गुरि
 भात पकाई खाई पौवाली संग मै भन लाग्या हे वाव भाकु
 वेधो हम जाते है भनी वीदा मगी एजा ताहा दे विजोदा जंदा
 यदु देल मा पुण्या सदा का थीक संग सदा वर्तिसंग गै वासमा
 गी पौवा मानवसी एक जग मागे वृक्ष भनी वलु गया तो दे मि
 सदा वर्त वा लोते भिद न तो कस्तो जोगी हे द न अद जोगी
 आउ द न पौवा माव स द न सदा वर्त मगी खा द न हा मी संग की
 दा मा गी जा द न यो जोगी लेत वासु मात्र मा गयो पौवा मा पनी
 वसेन न सदा वर्त पनी सायेन न जोगी भै कन पौवा मानवसी

सदा वर्त न खाई वन को देई मा वल गया पही तो जोगी ले कया
 बांदो हे द कलोग दो हे द भोली जाने वेला मा विदा भेजी द
 गुरि विद न भेजा द न हे न जाई भनी एक जना के दा लाई अ
 हाई चिवा वल मताई पथाया तो केरा तो दूष को पा य
 क दूष मा चही चिवाली वसी हे एजा ले सदा का नै द
 लात कत कया सोवर्न को गम हल को खात सिंहासन तया
 भया तुम्हालाई पानी ल्याई भनी उदो सारी दीया सोवर्न
 को कुरि भै गंगा जल पानी ल्याई पुयाया हात पाई कोई पवि
 मृत चौदा सी भोज न कि कि खाउ भनी मन ले विताई जोली मा
 हात हाली की की सोवर्न को डाल मा हाली साया ते आ प्रह
 मा मुली वजाया मधुमालती एनी विमान मावसी आई पु
 ग्या ते स्ता विव मा दूष मा चहि चिवाली वसी हया विमान आ
 उई मा दूष वार वसी मुद्या पगी ह्या मधुमालती एनी ले श्री
 वी लु के व न मृत पाती प्रसाद मै वी दे एजा लाई दीया एजा ले प
 नी सि चहाई नै वी दे खाई २ जना व द न गह स ग सु सी भै हास
 वेल रुडा भोग गुरि सुकालागया भोली पल अ धाए मा मधु
 मालती एनी विमान मावसी बे क ठ धाण गई न तो वेवाली
 बह्मालाई विष्णु मा ई थी हे दा आ स्वयी मानी सदा वर्तिये
 गै कन भिद न हे सदा वर्तिसा हे व तो सीया सीता दे स न मा
 न मानी सुको प हि द न तिन का दाला त कत कयाई दीया
 सोवर्न को खात सिंहासन तया उदो हे द न तुम्हालाई उ
 दो सारी दीया गुन की गे अस्तो उदी गे गंगा जल पानी ल्या
 उदो हे द हात पाई कोई जोली मा हात हाली मनुष्य को

एसी मिथो हि किं सो होइ ते श्री प्रह्लादा मु
 ली वडाई दीया लक्ष्मी हुन की सा स्वती हु विमान
 भावसी आई न ते सु बेला मा म चि वली मुख भाव हि
 वसी हे का थीया किजली चमका है भै के हि था हा
 न पाई मुख बा वसी मुर्छा पति ह्या एत न उई जना
 को हा सुखे लगनी बेहान सवे विमान भावसी गया प
 दी मदी मुज्या साग सा आई वी स्त्रा गर्न आया की हुन
 भनी न के हि सदा वति ले भई न अब के हि चि वा वस
 जाई तो वावा जी हा मी सीग बिदा मारी जाइ न की ते
 से जाइ न भनी के हि वी वाय ताई पथाया ताहा पदी
 एता मधु काले अहमा न गया सीध्या पाठ मुजा गति भा
 त साई सदा वति सीग मे भन लाया हे सदा वती वाला हो
 हम तो जाते है तुम कै आनी दे वे थी ह्यो भंडा सदा वति
 भई न हे वावा जी आफु ले सीया सी को दुप थाया को धौ
 भया को दैन के जाहा को चालु वरु नु भयेन की वरु
 कन पनी जानी जानी वरु पचाइ नु भया को हो की कसो
 हो जाहा को ता जो आया पनी व चीज ले जान पद येव
 चीज डि जान पद भंडा एता मधु क भई न म संग का
 चीज द्या कया डी भंडा सदा वति भई न ति मि सीग को
 मुली १५ डी म सीग को वरु थी गा वति मि ले ड भंडा
 जाले वरु थी गा को कया न द भनी स्व ध्या सदा वति भ
 द न क से ले गर्न न सके को का मय स ले गर्न सक द न अका

सुभा पनी जान सक द न पाताल पनी जान सक द न भनी
 वरु थी गा हाई ल्याई दीया एता भई न सु सो भया हे वरु
 थी गा हो मे ले अले अका स पाताल जान पते पनी उया
 मुकै मे ले मने मनी भने का व मो जी म ति मि ले मी ड द न की
 माई न भंडा वरु थी गा भई न हाया व स म ले तपा नी ला
 ई म सो मी डी या म दी तपा नी ले अ हाया व मो जी म गर्न ई
 भनी ३ फे ए वा चा वा ध्या ताहा पदी एता ले सा फु सीग
 को मुली सदा वति लाई दी उरु का वरु थी गा आफु सा
 ध माली एता मधु क गया अली क पा मुज्या पदी एता
 भई न हे वरु थी गो तो अले द्या डी आया का मुली ल्या
 ड गुपयो तो मुली त मे ले प्रा न हो न ल्याई भयन तो स
 दा वति ले मिथो मुख ले दि द ता पनी भंडा भंडा पा गी ल्या
 ड प मा ल्या ड न म मो मे ले अ हाया व मो जी म मान ला भनी वा
 वा वा ध्या प दी न ल्याई भयन भनी एता मधु क ले भंडा हव
 स भनी वरु थी गो मे भन ला जा हे सदा वति हो हाया सो हे
 व ले ति मि लाई दि गया को मुली मागी ल्या ड न भनी अ हा
 ई पथा उ गु म वा ल्याई तो मुली भंडा सदा वति भई न कया
 गर्ज ले डी ई ला त लाई दि या साती ली या को हो डी न भनी भ
 डा वरु थी गा भई न हि जो त सीग व स्या सीम ते ले अ हाया को
 गर्न ई आज ई न लाई दि या प दी उन को सो को गर्न पद मे ले
 वानी ते ले था हा पा या के द न मिथो मुख ले दि द ता पनी
 ड ई डी न भई न भने ते ले दु ख पाई ला स भंडा पनी सदा वति ले
 न डी डा वरु थी गा ले २ पर लु पे ता ले हा का सदा वति मुर्छा

प्रमोद वज्रधी गभीर गे सदावर्तिको घाउली माली
 लीक किं आई राजा मधुका लाई सो पीदि या ताहो दोषि
 जांडा जांडा अकैं दे समा सुखा सदैका भाफी क सदावर्ति
 संग मे भन लाग्या हे सदावर्तिवाला हो हाभी लाई वास
 देई मनी राजाले भंडा सदावर्ति भंड न येहि पोवा मा
 वधु हवस् वृद्धा चोकाते या हे सीधा साजा मृतया
 है भंडा राजा मधुका ले यस पोवा भेन हि वै थिजे
 सदावर्ति नाहि वाते है मनी अलीक मगै यक वृक्षे मनी
 वज्रजांडा सदावर्तिवाला ले भंड न ते सजोगीले पोवा
 मानवसी अंतक मगया पछी ते सलेका सो दो हे छक
 सो गद हे छ विद्या गी आई मनी यक जना लाई चेवा
 घताई पथाया त्यो गे राजा मधुका वस्या का थाउ मा यो
 ता मधुमावधी चीवाली वसी ह्या राजाले सदाकाथीक
 संग दाला तकृतक्या सोवर्नको खाट सीधा सनतया
 भयातु म्वाउ सो सागि दीया सोवर्नको रुदी भै गंगाज
 म्वागी आई पुयाया मन ले चीता या को रुली मा हात हा
 ली लड पेडा मेवा मेरी गही की सोवर्नको थाल माहाली
 याया ते भ्रा प्रह मा माली वजाई दिया मधुमालती ग
 ती की मानमावसी आई पुया राजालाई श्री विष्णु को चमी
 मृत पाती पुसा दीया राजाले सी वडाई नै की दे
 बाई हासी थता रुदाग गि सुकला गि न मोली पहो वे
 हा न सवै मधुमालती गनी विमानमावसी वै कुठ धा

मृगई न त्यो चिवावसी हेने मानी स एनी की मानमाव
 सी आई दे मा मधुमावसी मधुमावसी ह्या काथी जा
 ये हा न एनी विमानमावसी गया पछी वी म्वा आस ज्य
 मानी द गुदै गे सदावर्ति संग भन लाग्या हे सदावर्ति सा
 हे व त्यो ताडे वनमात्र सन्यासी को भेसा हे छ त्यो जोगीता मा
 हा दे वरु की विलुडु न मैले ताके हि जाने न त्यो सीग को
 दाला तकृतक्या सोवर्नको खाट सीधा सनतया रुंदो
 हे छ तु म्वाउ सो सागि दीया सोवर्नको रुदी भै गंगाज
 म्वागी आई पुयाया मन ले चीता या को रुली मा हात हा
 ली लड पेडा मेवा मेरी गही की सोवर्नको थाल माहाली सी दो हे छ
 जे भ्रा प्रह मा माली वजाई दिया नपावती रुन न सस्वति
 रुन न लक्ष्मी रुन विमानमावसी आई न मता विमान आई दे
 मा मधुमावसी विवाली वसी हेका मधुमावसी मधुमावसी
 वसी ह्या काथी जा फेरी विमान रुदा सन फरै पछी वि
 म्वा सगल ये हि आया मनी की ला कहंदा फेरी सदा
 वर्ति भंड न त्यो जोगी वीडा मगी जा छ न की ते से आई न फे
 री चिवावसी जाई मनी चिवा घताई पथाया राजाले अह्मा
 पास च्या न पाथ पुजा गी भात पकाई याई सदावर्ति सी
 गवीडा मगन जा न्दा सदावर्ति ले भनी न हेवा वाजी जा
 हाको गित येक चीज दी यक चीज ले जान पछ भंडा राजा
 ले भनी न मली तका विजय का देई भंडा सदावर्ति भंड न
 मसंग मन बिता ताउ लो व छ न त्यो ताई लोका प्रभाव कस्तो

हेछन भने श्रीमहोदेवले पार्वतीकी बाह गडी बनाया
 को लाखो कृपल तेतीस कोटि देवता लाई भात पका
 यापनी ठिक गरी पाक छन येकै जना लाई मात्री पकाया
 पनी ठीक गरी पाक छन येताई लोक सो गरी मैले पायो
 भनी भगुहोला भने मैले श्रीमहोदेव को चाकरी ग्याको
 १ धीया सुसी हुनु भो श्रीमहोदेव वाट मलाई दीनु भ
 याको हो मैले सोहि ताई लोक पात्री लाई दीनु भ डा
 राजाले मसीत को कालिंदु भडा सदावर्तिले तपात्री
 संग को माली १ देई भनी भडा राजाले लो भनी आ
 फुलंग को माली सदावर्तिले लाई दिमन विंता ताई लो
 १ आफु लो लोया जांदा २ अलि कृपा पुगे मछी भई न हव
 गुधिमा अले छदी आया को माली लीये आउनु लो म
 लीता मेरो प्रान हो तिमिले छह छन न लाई भयन जाई
 भनी अहाया वज्रथीगा तत पा मे भन लाया हे सदावर्ति
 हो लो अले छदी गया को माली हयो साहेबले हीन पथायो
 देई भडा सदावर्ति भई नु मरो मन विंता ताई लो दियो सा
 ती लिय को माली हो के गर्जले देई ला दी देन भनी सदा
 वर्तिले भडा वज्रथीगाले २ पल लातले हाडा सदावर्ति म
 या वज्रथीगा भीत्रगे सदावर्तिको घा माडुली माली
 लीये मे राजा मधुका लाई सोपी दीया ताहा डे बिजा
 दाजान्दा पीफावती एनी आफु दाना दानु हव स्या

का देस भा पुग्या पीपल को दूष मगी वास वस्या सदाकाथी
 कृपे दाला त कत कया सो वर्ग को घात लिहा सन तया भ
 या त म्माउ दी सा पी दीया सो वर्ग को फा गी मे गंगा जल पा
 नी आई पुग्या मनलो चिताया को मेवा मे स्नाग मन विंता
 को हो माहातहाली की की सो वर्ग को थाला हाली याया
 त आ प्रह मा माली वजाई दीया मधुमालती एनी की
 मान मावसी आई पुगी न राजालाई श्री की लको चनी
 मृत मातो प्रसाद दिया राजाले पनी सी चहाई ने की देखा
 ई ई जना सो वर्ग को सीहा सन मावसी हास्य ल गरी गनी
 लोयो जवाक स्को हो भनी सो ध्या राजा भई नु तिमी लो म
 लाई छदी गया पछी मैले की बाह गया की फावती एनी द्य
 दवा हो भनी भडा एनी ले को लाई लाई न हव सु भया
 राजाले पीफावती एनी लाई को लाई न येकै साद सिहा सन
 मावसी ई मधुमालती एनी ले श्री विष्णु को चनी मृत पीफाव
 ती एनी लाई दिया सी चहाई प्रसाद याया पीफावती ए
 नी सुसी मैहासा मधुमालती एनी भई नु यो एनी वती सु
 लक्षन ले संत भया का हे छ मान यती के एप्रो एनी स्वर्ग
 मध्ये पाता लती नु श्री भुवन मापनी देन वरु एप्रो छान
 भनी मधुमालती सुसी मै फे पी भनी न अवर्त प्रति हे पीफावती
 एनी तिप्रो मेरो वाचा गो के भ मा दी नु को ४ प्रह एत को २
 प्रह राजालाई ति मिले सी भा गनु वेहान २ प्रह मैले सी भा
 एगोला ति मिले रीस एग न गनु भनी वी डो वस्त्र को कृप मदी

पंफावतीगानी लेहवस्दीडी भनी पाई मा पया. सोहि
 वंदे जले सदा सर्वदा. हाका थीया. राजा भैया सदे
 सीका खे लन जाया. येक दीन. राजा सिका. खे लन गया
 वधत पाणि. पंफावतीगानीले. मुली वजाई दीया.
 इन्द्रासनमा मधुमालतीगानीले सुनी मन्मा भई न. अव
 कसोगो. जई भने दिई सो. दुर्मत जान लायो. नजई
 भने कीना राजाले संकष्ट न पणियो दीई सो. मुली वजा
 ई न पने होई न. अव दुर्मत गया पदी. पनी जाने पयो भनी
 हत पट संग गादी मावी मान मावसी आई न. राजा लाई
 न देषदा हे वहे नी. राजा काहा जान भयो भनी सो ध्या.
 राजा ता सीका. खे लन गया काई न. भनी. पंफावतीगानी
 ले भंडा. यो मुली कले वजायो भनी मधुमालतीगानी
 ले भंडा. मेले वजाया को हो दीडी भनी. पंफावतीगानीले
 भनी न. तव मधुमालतीगानी भई न. हे वहे नी. मजाहा
 आया को ति मिले साहू. गि सगे हो. अव उ प्रीति आने दे
 न. भनी. मुली तुम्हा दाला स्मृत को जू. कि कि फेरी आ
 प्रा गादी वी मान मावसी. इन्द्रासन मागई न. अली खे प
 दी. राजा सीका. वाट फर्कि आई पुण्या. सदा का थीक
 संग दाला तदुत पया. इन्द्रा. ई पीया मात्र रुमा. तुम्हा
 उडो सागि दिया. तुम्हा को तुम्हे भयो. कोली माहात हा
 त्या. केहि आयेन. ते था प्रहमा. मुली वजाया. मुली

वजेन न. आसर्थ्य मानी. राजा भई न. हे वज्र थी. मा. तै ता घ
 रे मावसी. हाका थी ई न. आज तुम्हा ले पनी. पानी त्या
 येन. दाला को पनी. सीहा सन वने न. कोली वाट के हि
 आयेन न. मुली पनी वजेन न. कसो भयो भंडा. वज्र थी
 गाले जो सा माफ भया. मवीती गर्दु भनी वि ति गणी न. हे
 माहा. राजा आज का दीन मा. पंफावतीगानीले. मुली वजा
 ई दीया. विमान मावसी. मधुमालतीगानी माई. राजा घो
 ई भनी सो ध्या. राजा सीका. मागया काई न. भनी. पंफा
 वतीगानीले भनी न. यो मुली कले वजायो भनी सो ध्या
 तु. मेले वजाया भनी पंफावतीगानीले भंडा. मजाहा आया
 को ता ति मिले साहू. गि सगे हो वहिनी. अव उ प्रीति आ
 ई ने दे न. भनी. कोली. मुली. तुम्हा. दाला सवै को. मू. ही
 की लगी न. अव काले मुली वजला. कले उल्लाई न.
 सकला. मंत्र ले पनी दुदेन. प्राणी उपले मा. सकला भ
 नी वज्र थी गाले भंडा. राजा मधु काले आगया गमा. हे
 वज्र थी गा. अव कसो गने हो. हि जो ति मिले वाचा वाधडा. अ
 का सपाताल. जाहा भंडे. वाहा पु. माई दिई ला भनी वाचा वा
 ध्या का दे. अव मलाई. आकास ले जान पयो भंडा वज्र थी
 गा भई न. हजा. एउ दे भैया ले जाई ला भंडा. राजा मधु क
 ले. एउ दे न भयो. वज्र थी गाले. राजा मधु काले. आ
 प्रा जिय मा. चहाई. अकास मा ले जी डा भयो. जंदा जी डा
 आकास मा. मधुमालतीगानीका. गि महल का. माला उ

धारी-पोसाक-दो-उडे-ने-व-व-प्रा-पुगी-मालो-ग-रा-ज-म
 धुका-भित्र-पस्या-म-धु-मालती-पनी-येक-कु-ले-सु
 सी-भयो-यक-कु-चाहि-मागी-ए-जा-संग-गै-विंती-गी
 न-हे-महा-ज-ह-उ-आ-उ-नु-भयो-श्री-वी-सु-वार-चाल
 पाया-ना-सु-द-ने-ह-न-त-स-ध-ह-उ-भी-त्रे-व-सी-ह-उ-ह
 व-स-वा-हि-कै-ले-पनी-न-आ-उ-नु-हो-ला-भ-न्या-लौ-भ
 नी-प-जा-भी-त्रे-व-सी-ह-उ-भयो-म-धु-मालती-पनी-का
 सुन-को-पे-ता-गे-५-थी-यो-ए-जा-ल-ह-ते-सै-पे-ता-ए-मा-हा
 ली-भो-ली-प-ल-वे-ह-ने-उ-थी-अ-ह-म-न-ग-रि-न्या-स-ध्या-न
 पा-ध-प-जा-गी-श्री-वी-सु-को-प-जा-गी-आ-ह-भा-त-का-ह
 सु-वा-ह-म-ध्या-न-सा-रु-को-प-जा-गी-आ-फु-ले-भा-त-का-ह-ए
 जा-ल-ह-ते-सै-पे-ता-ए-मा-हा-ली-ए-जा-ल-ह-न-आ-उ-नु-भनी-
 अ-ह-ई-आ-फु-ना-च-न-ग-या-उ-स्का-हि-न्या-का-स्वा-लो-अ
 ल-प-ली-जां-डा-ए-जा-को-म-न-ह-न-भ-ह-न-ह-व-ज-थि-गो-
 म-धु-मालती-पनी-श्री-वी-सु-का-प-ती-गी-म-गै-ना-च-न
 ग-या-का-ह-न-भै-ले-पनी-ना-च-ने-न-जान-ला-यो-पे-ता-गे-उ-
 धा-रि-दे-उ-पे-ता-गे-भ-ने-बो-ल-ना-ला-ह-पनी-गा-हो-ह-न-की-न-भ-ने
 सुन-को-घो-ए-१०८-धां-डी-का-घो-डा-१०८-सी-ला-को-धो-का-१०८
 फ-ला-म-को-धो-का-१०८-मा-धो-का-५४०-उ-धारी-दे-उ-भनी-व-ह
 ए-ता-ह-संग-भ-न्या-पनी-व-ज-थि-आ-ले-न-मां-डा-ने-रो-स-त-प-वा-वा
 हो-भ-ने-चा-दे-बो-ली-दे-उ-भनी-का-उ-डा-सा-मु-की-अ-थ-की-मा
 नी-त-क-भ-या-व-ज-थि-आ-ले-रा-जा-का-या-को-दे-वि-मा-या-ल

पे-ता-रे-बो-ली-रा-जा-ल-ह-ना-च-हे-ए-उ-न-ल-ग-या-म-धु-मा
 लती-रानी-को-ए-रा-जा-को-न-ज-उ-दी-ना-ल-यु-का-श्री-वी
 सु-वार-आ-जा-ग-रि-ने-ते-ती-ल-को-दी-दे-व-ता-व-जा-उ-ने-सी
 पा-लो-को-ह-भ-नी-आ-जा-ग-दी-स-वै-भ-डा-व-जा-उ-ने-सी-पा
 लो-वा-ल-ल-की-ना-ग-रा-जा-ह-न-भ-डा-ने-सै-ल-ह-डा-क-न-प
 था-उ-आ-ज-ता-ल-सु-स्को-भ-नी-श्री-वी-सु-जा-नु-भ-यो-
 अ-ह-ने-ती-ल-को-दि-दे-व-ता-आ-फु-आ-फु-आ-श्र-म-मा
 जान-भ-यो-म-धु-मालती-पनी-पनी-आ-ह-रा-जा-म-धु-का
 ल-ह-भ-डी-भ-ह-न-हे-मा-हा-ए-जा-ह-उ-ले-म-ल-ह-वि-गा-उ-उ-
 ह-फे-रि-फे-रि-पनी-य-सै-भ-या-श्री-वी-सु-ले-नी-भु-ये-सा
 प-दी-न्या-ह-न-ह-उ-को-म-गे-व-द-त-वी-घो-उ-हो-ला-भ-डा
 ए-जा-ले-भो-ली-त-गि-न-भु-ये-आ-उ-ने-ह-न-भनी-वा-वा-वा-धा
 ए-फे-रि-व-ज-थि-गो-ल-ह-पनी-भनी-न-यो-पे-ता-गे-ते-ले-की
 न-बो-ली-दी-ह-स-तै-ले-पनी-बो-ली-दी-न-भनी-क-बो-ल-ग-
 भ-डा-व-ज-थि-गो-भ-ह-न-भै-ले-ए-जा-संग-अ-घो-दे-वि-क-वो
 ल-ग-या-का-थि-या-ए-जा-ले-उ-धारी-दे-उ-भनी-भ-ने-पनी-भै
 ले-उ-धारी-दी-न्या-दे-न-भनी-क-बो-ल-ग-या-आ-न-द-सी-ए-सा
 ए-भो-ली-प-ल-पनी-स-डा-का-थी-क-संग-आ-फु-नी-ये-क-म
 सी-आ-ह-श्री-वी-सु-को-उ-सा-ज-प-जा-गी-ए-जा-ल-ह-पा-ती
 प्र-सा-द-ने-वि-दे-दि-भा-त-प-का-ह-सु-वा-ह-पनी-भ-ह-न-आ-ज-ता
 रि-ध-ने-न-आ-उ-नु-हो-ला-भनी-फे-रि-व-ज-थि-गो-ल-ह-पनी-तै-ले
 पनी-धो-का-उ-धारी-दे-उ-भनी-व-स-ग-ह-ना-ल-गा-ह-ह-म-ह-म-

गरीजांदा फेरि गजा का मन्ना कलपी मनन हिंसा
 भंडन हे वज्रधी गो आजपनी मेरो मन हेन मेरो
 सपना वा गयापनी आवसानी सितवी होइ भया
 ... पनी क्यागई उस्का गहना वस्त्र लगई धम धम गरी
 नाया को अमल को अवाज सुनी उस्काई इंदन
 कल कल देखा विलगन लकी आउं आउं भन ला
 ग्यो आज ये क दिन येता उद्या गी डेउं भनी वज्र की
 लाप संग काई डा सो सुकी मा नांत फुंदा पनी
 वज्रधी गोले धोका सोली दीयेना राजा भंदन क्या
 न भो हत्थालिं दहन तेरो मेरो वाचा हो भने उद्या गी डे
 इ दिन भने महत्ता गरी भंडन भंडा वज्रधी गोले मन
 मासा हई या भयो मेता का धोका सोली दीया
 राजानी स्की नाचन गयी को धाई मा पुण्या
 फेरि गनी को राजा को नज मुडी ताल बुकी
 यो श्री वीष्णु वाट आप दिन तया फुंदा तेतीस
 कोरी देवता वाट आज यक दिन मा फुग गी डी न हं
 सभनी गमी सवै देवता आ फ्रा आ सु
 म मा गयार हनु मालती रानी पनी आ
 फ्रा धार आइ गजा संग विंती गरी दहन हे
 मा हारा जहुर लाई ताकति भन्या पनी मात
 भये न हनु कसप वाचापनी हे न हनु आफु

गौका सपना वाचा फेरि देवता फुंदा भन्या अहो क
 कोना सहि होला निश्चय तिथो मेरो विद्या फुंदा लगे
 भंडा राजा भंदन हे रानी यो मन पानी फुंदा देहति थोना
 वने होदा ता हृदये मावी हलागी हदन मन हेन
 स्मा लाग्द मे एषा नृति मिलि यक दिन ने देख दा काहा
 गई शुभ हेई भन्या जस्तो फुंदा पनी वज्र ने कहुना सीत आहा
 गरी न ताहा पदी फेरि भोली पल पनी रानी वेहने उडी अ
 ह्मान गरी न्या सुधान पाथ पुजा गरी श्री वीष्णु को उसाज
 पुजा गरी पाती पुसाद ने विदे दीया राजाले पनी सी
 वहाई ने की देखाई भात आया यती गरी सकीया पदी
 फेरि गनी ले गहना वस्त्र लगई राजा संग वींती गमा आ
 गतानिश्चयेन आउं न होला श्री वीष्णु गी सानी हेइ आज
 आउं न भयातानी श्रये आप दीया दहन हिजो ती वीष्णु
 वाट सापु दिन तया फुंदा तेतीको ति देवता वाट विंति
 गी थागी वक्तु भयो तपाजी ले पनी सुने कै होला
 भनी राजा लाई येता माहाली ५४० धोका माता लचा
 मा श्री वीष्णु का हजु मागे नाचन लागीन प्रधुमाल
 गी गनी नावी हंदा श्री वीष्णु ने तीस को रि देवता सुसी
 फुंदा लगे का थीया ई से वास मा फेरि गजाले भंडो
 भयो हे वज्रधी गो आजपनी भन हेन आज यक दिन

मात्र-धोकाबोलीदेई भोलीदेवीभनेदेनभनी-ये
 तागेभीवसीगजावहुतताहसंगक[ई]डावजुथी
 गेलेधोकाईधारी-दिया[फे]रिगजाले-मधुमालती
 एनीगवीह्याकोधार्डमाअधीलुतिगैवसगया
 एनीको[ए]जाकोनजाअडीतालचुका[ए] श्रीवीधुदे
 वतासाहे[ए]साईआग्यागरी-हेतेतीसकोरीदेवता
 होमआजयेसुलाईसापडीछु१।२दिनहोईन३दिन
 लगालगेतालसुकायेछनयोनजानेहोईनमला
 ईहेलागयाकोहोभनीआपदिनलाग्याहेमधुमाल
 तिगनीतैलेमलाईनतेहिदिनदिनेतालचुकायो
 अवतैलेपृथ्वीवीमागेसिलाभयासभनी-श्रीवि
 धुवाटयेतीआपदिया[ए] मधुमालती-एनीउतने
 येपृथ्वीविमागेसिलाभईन[फे]रियोसिलाभ
 याकाथाउमा-मधुका[ए]जा[ए] वजुथीगोगया
 ताहनेम१वडा[हे]छन-ब्रह्मवसीनतेसुधाईमा
 वनवाटस्यलस्यलनीरगोताआईस्यलनीलेभनला
 गीनहेससमआजताद्यापुनसकीयेनयहिवासव
 सौभडास्यलभईनविस्तरसंगजईलाछे[ए]छे[ए]ह
 दुभोकेहोलाभडास्यलनीभईनकुकेको[ए]छे[ए]ह
 आजयेकदिनलेकेहुनेछनजनीगुमताहिर्नसकेन

भनीताहीवस्यो[ए]जबातपयो-स्योस्यालनीहदलाई-
 निंदानआईडास्यलनीभईनआजसुधाकोधार्डफे
 रियोहोकीनिंदानआयाकोससमभनीस्यलले
 क्यासास्त्रकथाहासीसाहालीभडास्यलनीभईन
 हेससमयोधुगासुपराप्रोचिलोभुतिभयाकोछ
 योधुगाआफेसिधभयाकोहोकीकसेलेवनाया
 कोहोभडास्यलभईनयोकागनसोधयोधुगा
 काकु[ए]वतोयोकीतंग-मवीछादहुनेछभडास्यल
 नीभईनहेससमतेतीकावताईडाविछादहुने
 छनयतीकाकहिदियेनभिया-मअवेसहत्यागरी
 मरदुकहिदिगुहवसभनीवीतीगडीस्यललेभ
 नीन-मववीछादभयाकागईहत्यागरीनमा-मवता
 ईदीदुभनीस्यललेहनलाग्याहेस्यलनीसुनकस्य
 गरीयोसीलाभयोभने-श्रीवीधुकाआपलेसीलाभ
 याकोहो-कसभनेअधीयकेदेस्मा-यकवादसाहका
 एनीवाटछे[ए]हछनतिगजाले-ईकीनीस्वाही
 ल्याईडा[ए]नी, सोहेवजुहदलाईवनवासुभेपद्मी
 काईमधुका[ए]जाको-मधुमालतीएनीसंगवी
 वाहभेफेरियोमधुमालतीएनीईन्द्रासनमाना
 चकीर्तनगडीआफाससमएजामधुकासंगनज
 एजुडीतालचुकाश्रीवीधुलेमत्येलोकेमागेसी

लाभयासभनी. आपदीया. सीला भैवमभा
 याकाहुंगभनी सवे भयो देविको वृतातगरी
 क्राकहडास्पलनीले भईन हे मसमअवेयो
 सीलाकतिस्मसिलाभे हिंदुभनी सोध्या दीवे
 बाहुपर्वनपदै मधुमालतीकै ओता गगुईने के
 हिजुकि दकी दैनभनी सोध्या तवस्पलले भईन
 योक्रा गम्या पदीतेगे भैगे निश्चयवीदोडहुंदुभ
 नीपाजोमालेखेकोद योक्रानसोध योक्राता
 कसैगे पनी कहैदैन भंडास्पलनीले भईन तिभि
 संगविदोड भयापनीके गर्भतिमो सत्येवादीमअ
 द्विहोभने योक्रानकहि भयेन कहैनो भने मअ
 वस्ये हत्मागरी मर्दुभनी धुंगाभा ताईको थोकी स
 वेरुको धावा वहाया स्पलले तोहत्माहर्ननस
 की भईन हे अस्त्रीतहिर्ननसकदा तेगे जीयकाला
 गीजाहावासवसे तैले आक्रा जीयेमावेह कमाडा
 सदीरुको धावा वगाईस्योक्रा कल्यापदी नि
 श्वये विदोडहुंदुनदते पनी कहैदु हत्मागरी नम
 भनी कहनलाग्या अफकसैले गरी मधुमालती
 एनीको ओताहुन सकतिन मधुका राजा १ वज्र
 थीगो १६२ जनाले ओता गम्या जाहाई कसोभने
 वज्रथीगोले गोदुहलल्याई हलोनारी अवी जव

फालीलाईजे तागे लगाई जोतीता गिद्धी उभागी
 फुलाई पकाई उभागीपेली ल्याईनु आधानेलम
 नचैताताईलोमा एखन आधानेल लोसिलामा
 एखन वज्रथीगोले तोधुंगाको मुर्तिलाई धुलोपा
 र्ग मधुका राजाले मनचीता ताईलोमा धुलोहोम
 गु वज्रथीगोले पनी धुलोपागी सकदन मधुका
 राजाले पनी होमीसकदन यतीगरी सक्यापदीम
 नचैताताईलोवार त्यागनी आगाडीका भंडा १००
 नले एप्रोभैगीस्की अउईन भनी स्पलले आक्रा
 खाईसीस्पलनीलाई कल्या मधुका राजाले सवे
 कपुवतात सुनीसके पदी राजामधुका वज्रथी
 गो ६२ जनाले उधीआईदा स्पलस्पलनी धुई जनाती
 गलागीवीदोड भै भागीगया ताहापदी स्पलले आक्रा
 खाईलाई कल्यावमोजीम राजामधुका वज्रथीगो २
 जना भै स्पलले कल्यावमोजीमगी सक्या अघीका
 भंडा १०० नले एप्रोभै मधुमालतीगनी मनचीताता
 उलोवार निस्का मधुमालतीगनी भईन हे माहा एअथी
 भै मधुमालतीगनी का आपले सीलाभयाको जेतनक
 से लेसक दैन तसर्थ श्रीवीलवारयक फुगुफुमभया
 को दृक्काभने मभाचदा वडाईन जोने सीपालोको
 दृभंडा महादेवले वासकीनागा जहन भंडा दाक

नयनार्जुनी श्रीवीर्यवार हुकुम भयाकोध अ
 वहनु लेवासुकी नागको दृष्टगरी जानु हवसु श्री
 वीर्यकापता गीरी भावसी हनु हवसु श्री
 वारडे सने विरि कै मलाई का कभले हुकुम भयो
 भनी भनु हवसु श्रीवीर्यवार मधुमालती ना
 वदा तालु मिलाई वजाई न सिपालो को धर्म डा श्री
 माहो दे वरो वजाई न जाने सिपालो वासुकी नाग
 राज धनु भंडा ति मिलाई दा कन पथाया को हो भ
 नी हुकुम हुने दनु ते सवसु त माहनु ले श्रीवीर्य वा
 र अहुका गगन न पाई दे मा मैले हुकुम भयाको
 सवा सुनी मजाहा आउंदा मधुमालती गनी सी
 लाहुन तया भयाका थिया मजाहा आइ न प
 र्क जाल ति मि सिलान भयासु सिला भयो भ
 ने मैले आपदिने दु भनी भनु होला जो हुकुम
 होला सो वभोजी म गर्ग होला भनी मधुका रा
 नी लाई वाल सुकी को दृष्ट वनाई पथाई दीया रा
 जागे श्री विर्यकापता गीरी माहो दे भावसी हि
 नु श्री विर्यवार मालाई द्या गी हे दी वाल सु कि ना
 गाजाको भे सुलीया का मधुका राजा विरि गद

दनु हे पा मे श्वर मलाई का हुकुम हुनु हुने
 द साकाय मा तया हु भनी विरि गदा श्रीवी
 र्यवार आ गी न हे वासुकी नाग राजनी ति मि
 लाई दा कन पथाया को अहुका मले होई न मधुमा
 लती ना वदा तालु सुस्का वजाई ने सिपालो ति
 मी दो भंडा दा कन पथाया को हो भनी हुकुम भया
 रा वाल सुकी भे सु राजा विरि गद न मजाहा हुकुम
 भयाको सवा सुनी मजाहा मधुमालती भेत मै सी
 लाहुन लाई तया हुदा मफ कि न आया सभ सिला भ
 यो भने आपदिने दु भनी आया को हुनु हुकुम भनी वि
 ती गदा श्रीवीर्यवार मधुमालती सी ला भयाको दैन भ
 ने दा की लाई भनी हुकुम हुंदा राजा मधुका तत पा फ
 कि आई गनी लाई सव वतान्न का फ हि नु राहा प
 दा गनी ले राजा लाई फे रि वै कुं थ धाम जाने सवै क
 रा सी काई सके पदी ना वने वजाई ने सवै तालु मी
 लाई सकी वै कुं थ मा की हुनु काहुना मागे ना वहुत म गर्ग
 लाया श्रीवीर्य प्रभु ति ते ती सुको रि देवता गी धर्व कि
 धर्व सवै हे न आया सवै सुली भई न श्रीवीर्य देवता ले
 आया गी न हे वाल सुकी नाग राज ति मि ले मुई ग वजाया
 को दे सि म वतान्न सुली भया भनी न ति मि ले का मा गद हो
 माग मदी हु भंडा वाल सुकी भे दनु मैले मागे को पाई ने

भगवान् लभेता श्री वीष्णु वार तिमिले मागे कोडीं दु
 मनी ३ के एवावा वाधा वालसु की नाग भेस मधु
 का राज भेद न मैले अरु के हि मागे न ये हि नाचने
 मधुमालती एनी मागदु मनी वालसु की नागले
 वीती गया श्री वीष्णु वार आग्या गरी न भो प्रेम
 सदा सर्वदा रहिने माग्यो आदवा प्रसाद माग्या भकी
 धाने को थीयो के गये अवज्जासु की भया मनी भो
 वाचाले गयो तिमिले मधुमालती एनी अवेस
 दीया ले जाई मनी तेती सुकोटि देवता संग सो
 धी सो पी दिया तेती सुकोटि देवता ले मनी बहुत
 सुसी भेति विहल हई येक येक की मंत्री दी वा प्रसा
 द दीया वडावडा मंत्री मनी दिया फेरी वीष्णु वार आ
 ग्या गरी न हे मधुमालती एनी तिमिले माग्या को डे सि
 म बहुत सुसी भया को दु तिमिले क्यमा मधु माग्य म
 डीं दु मनी दु मधुमालती एनी ले मैले
 माग्या को पाई ने भया माग्या लभनी वीती गया श्री
 वीष्णु तेती सुकोटि देवता प्रभती लेती मीले ज्यमा
 म्ही सो डी उला मनी ३ के एवावा वाधा मधुमालती
 एनी ले वीती गदई अरु मके हि मागे न ये भो प्रेम
 न जो कहला जो सुनला सो मानी सुको सदा सर्व
 दाई द्रासमा वासुहवसु मनी वादान भागी न श्री

वीष्णु प्रभती लेती सुकोटि देवता ले तथा सुभनी वादा
 नु दिवा एता मधुका एनी मधुमालती ले वादान पा
 ई श्री वीष्णु वीष्णु महे श्व ईन्द्रा दी तेती सुकोटि देव
 तार्ग धर्व की धर्व सर्व देवता लोक संग वीडा वाजी
 भे मधुलोक मा आई पुग्दा वडा वडा जोडा की हद
 आई उई चालो गया जस्तो पथीक पमान भो ह्या
 उनी हद जोडा जोडा फेका वती एनी भया को डे स्मा पुग्य
 ए वाहा सासु ससु हद संग वीडा भे दजना दाजु हद
 दजना भाई मधुका एनी वंका वती स्मिन्
 विहारी घोडा नगा नि सान ता गलत का की
 ता हई की चाल का काय मधुमा वंको ई गया
 गलत रिकत बान चता रिकत जमा सब दई चो
 उलै सदगु जीडा जोडा आफ्ता महता भया को डे मा पुग्यो
 ए आफ्ता महता हद लाई अमृत पानी सुवाई सो गो चवाले
 हद मकी दीयो १०१२ वर्ष का उमे भे अघी का भंडा १०
 दवाले एमी भई न ताहा पनी माहाजन संग वीडा भे
 महता हद साथ जना लाई सा धै माली सवे जहा
 न को भेत भे वहुन हर्ष मान संग अघी २ वडा २ जोरी
 सुवी एता क्रमी हद पथाई आफ्ता हद पछी २ छती सु
 प्रका का वाजा वजाई न लागई हाती घोडा नगा नी
 सान लावाल सका लोड सुड सुमाई पमान गाई सु

दजना भाई मधुका एनी वंका वती स्मिन् विहारी घोडा नगा नि सान ता गलत का की ता हई की चाल का काय मधुमा वंको ई गया गलत रिकत बान चता रिकत जमा सब दई चो उलै सदगु जीडा जोडा आफ्ता महता भया को डे मा पुग्यो ए आफ्ता महता हद लाई अमृत पानी सुवाई सो गो चवाले हद मकी दीयो १०१२ वर्ष का उमे भे अघी का भंडा १० दवाले एमी भई न ताहा पनी माहाजन संग वीडा भे महता हद साथ जना लाई सा धै माली सवे जहा न को भेत भे वहुन हर्ष मान संग अघी २ वडा २ जोरी सुवी एता क्रमी हद पथाई आफ्ता हद पछी २ छती सु प्रका का वाजा वजाई न लागई हाती घोडा नगा नी सान लावाल सका लोड सुड सुमाई पमान गाई सु

लुकलुक मा आसी दानी गदै गया आ फावा
 वाको देसा पुन लागया आ फाई की नीले भई
 नहे माहा गज यो कु मडल भे वदा सक सित भुमी
 कपमान गदै आयो हयो दे स मारि आयो की कलो
 हो मता ५ गज हरी हो लदाई गर्न सक न्या दे न भ
 नी भंडा भई उनी हनुवा हा पुगी आ फावा वा लाई अम
 तपा नी खवाई से तो चवा ले हकी दियो २०२२ वर्ष को
 ई मे को गार्ह आ फावा वा सी ग महता गि हलु लाई सी
 माग धी दिया ई की नी गनी लाई पनी पकी वा धी छीले
 छाला कछी गुन जो पी पी नी अमी लो गधी आउ भू
 मा धी दि के गि के गि छाला सीई तानी दे स घुमई माया
 ताता पही आ फा लाई अ व चई दिना पुगवा का नी भ
 नी लाई ति सी लाई यती येन की ती भयो भनी सी
 लापत्र भजा पत्र माले धी दियो घोसु मोसु ना
 स्ती भिप्रो सतानंद सतान आ फा सतान न
 भया हो वेदी को सतान भू भानु भनी की ला
 पत्र गि दी आ फा मुलुक भू लाई भोजन गरा
 ई उनी जाहलु लाई के हि कु म मा दु ख क ती मनी
 गदी सुवी स्ता गार्ह गवा मुलुक को आसी वा
 डली गजानी भोज भजा क संग जे नी तो चलाई

एक वारी नने वं वत लू पी महे भरा ॥ राजे स्वामी ॥
 वंदेवी चंदेश्वरी तमा सुते ॥ १ ॥ ॥
 सुक्ती वृत्तावचार सारधभा मा धी जिगत्वा धीनी ॥
 विना पोस्त क धारी न भयती जाचा धकारा यहा ॥ ह
 से स्फोरिक माली का वीत धती पन्ना नाने सस्थी
 ता ॥ वदे तां पर मे भरी भगवती बुधी परी सारदा
 सुप्रभार्तद संग वस्ता भया ॥ ॥ ईता श्री राजा
 मधुकु मधुनाल ती गती क थाहा समा पू भू
 एक सुत्र
 श्री स भू मै तम ॥ ॥ श्री मत् ईत च चीतो ज्वल वपु भू
 क मा म स्त्री का माला ली कत ऊई ली लवीन सत् मुक्ता
 नली लोभीती ॥ वेडा नान धा ह द्रु क्ष माला धा वादेवी
 चली बुजे वलत मे मेलो माता ची ॥ १ ॥ ॥
 गग अस्तुति ॥ ॥ जगत्का वी च मे गज की यो ह
 माई मन कान ता देवी ॥ कु ॥ भू दे ता ल आ न

अंनम श्रीगणेशाय नमः ॥ हेस्वामीं जुवती भयाकी
मघरे छादि प्रदेसे महा ॥ पालुभो यो जुभनू कसोभा
गर्हलाहनाथ दर्शनकाहा ॥ जुमकी धीनेद्यु वसन्की
कमीद्यु वीरही मफाल कसे ॥ नेत्रे घाली कडाक्ष
लेहेरी मलाई दाक थाई सारागरी ॥ जीश्या जुसी
भेजाहानुसवल्ली हेदे ममीहीतरी ॥ ३ ॥ कै
हेदे घद्यु सखीवदकी मुहुदा री विललागे पसे ॥

५१
३०
५
२९ III
2170
2170 ४०
५१४०

श्रीगुरु गणेशाय नमः ॥ सर्वस्थलतनु गजेन्दु वदनी लम्बा
दी सुदं ॥ दन्ता घाट विदारी द्रावनिता सिंधु शो भाही वंते

११५० १४
११५० १५
१५० १६
१५५ १७

४१०३

१५

५१४०
१५४
१५
१२५
१५५
१९२
१४

५१७०
२१५४

एकचक्रनचक्रको जगदीश्वर ॥ श्रीकृष्ण
नमः ॥ ॥ ॥ ॥

ज्योत्स्नकलेखक भक्तपूर देसेरि पकड़े तो
नवाले माछे वाशीते श्री ३ दीजो नमः श्री द
वानाथराजो उपाये तत् पुत्रो श्री लक्ष्मीप्रद
लेखीतम् सोद्वती शुभ

गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख

॥ ॥ श्री गंगाधरा ने माली मूले केले पनी जेव की गी राख